जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 7 अगस्त, 2022

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2021/1523, RAJ/P/2021/1526

आलीशान 3 BHK कोठी
सिर्फ 30 लाख में !

Phase 1st: 35 Lakh | Phase 2nd: 30 Lakh

900 Sq. Ft. बिल्ट–अप एरिया

Sirsi Road, Vaishali Extension, Jaipur

Kedia's
THE KOTHI
भव्य-उत्कृष्ट-श्रेष्ठ

FIXED PRICE

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

करोड़ो की 5 BHK कोठी
अब 90 लाख में !

2000 Sq. Ft. बिल्ट–अप एरिया

A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए

SHOPS
15 लाख

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

Near MPS, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur

KEDIA
Transforming Realty

Toll Free: 1800-120-23-23 | 7877-07-27-37
www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com

*T&C Apply

विचार बिन्दु

मूर्ति के समान मनुष्य का जीवन सभी ओर से सुन्दर होना चाहिए। –सुकरात

वन और मानव स्वास्थ्य

हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2021 में प्रकाशित शोध को समाहित हर आज की चर्चा पुनः इसी विषय पर है।

जैसा कि पूर्व में बताया गया था, संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि.2/3, 26-30, च.चि.4.106-109; च.वि.6.17, सु.उ.47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर- अ साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेल कपलान और स्टेफेन कपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों काएक प्रमाण-आधारित लेखा-जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं।

आयुर्वेद का लोक-पुरुष-साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि मानव और संसार एक समान हैं (च.शा.5.3: पुरुषोऽयं लोकसम्मितः) इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3: लोकपुरुषयोः सामान्यम्) होने से सामान्य-विशेष का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और असमान भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है या अकल तभी आती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोकमात्मन्यात्मानं च सर्वलोके सममनुपश्यतः सत्या बुद्धिः समुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमें छः धातुयें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7): षड्धातुसमुदायो हि सामान्यतः सर्वलोकः। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल है।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छी निद्रा, मनोहारी अनुभूति, दर्द-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है।

यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉज मोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी। अलग अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटल रिसर्च, 166: 628-637, 2018)।

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआ जर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन में विश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिस में प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99 प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांश जांचने के बाद अपग करते हुये शेष 77 अध्ययनों में से 68 (88 प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12 प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजस रुएडा आदि, द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ, 3,11:ई469-ई477,2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था में प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर1.19 करोड़(11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कम रहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)।

हमारा समाज आज शहरीकरण, संसाधन-विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति-उन्मुखता से प्रकृति-विमुखता की ओर जा रहा है। इंसान और प्राकृतिक पर्यावरण के आपसी संपर्क की संभावनायें बहुत कम होती जा रहें हैं। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति-अनुभव मानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। यह रिश्ता क्यों है, इस पर हुई शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य-लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं।

इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम दो घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढाने के लिये छोटे-छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा-भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदिसब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग हरे-भरे स्थल, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुडे रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

75 साल बाद भी दर-दर की ठोकरें खा रहे नारायणपुर के गाड़िया लुहार

- नारायणपुर और आस-पास में गाडियां लुहारों के लगभग 50 परिवार तंबुओं में जीवन जी रहे हैं।
- सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा

नारायणपुर, (निसं)। हल्दी घाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के साथ अपना घर बार छोड़ने वाले गाडिया लुहारों की हालत 500 साल बाद भी बदतर बनी हुई है। आज भी इन परिवारों के पास रहने को घर नहीं है और न ही कमाने खाने के लिए रोजगार का कोई साधन। देश को आजादी मिले भी 75 साल हो गए लेकिन आज तक किसी सरकार ने इन गाड़िया लुहारों की सुध नहीं ली है।

आजीविका के लिए तम्बू लगाकर संघर्ष कर रहें गाड़िया लुहार परिवार।

राज्य सरकार द्वारा गाड़िया लुहारों सहित अन्य घुमन्तु जातियों को एक स्थान पर स्थायी रूप से बसाने एवं इनको समाज की मुख्यधारा से जोडने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गई थी। जैसे समस्त घुमन्तु जातियों को बिना किसी सर्वे के बीपीएल की श्रेणी में मानना। स्थायी आवास के लिए निःशुल्क भूमि का आवंटन किया जाना तथा महाराणा प्रताप आवास योजना के अंतर्गत आवंटित भूमि पर पक्के मकान बनाने के लिए अनुदान राशि स्वीकृत करना लेकिन संबंधित विभागों की उदासीनता के चलते घुमन्तु जातियों के कल्याण के लिए अनेकों योजनाओं के होने के बावजूद घुमन्तु जाति के परिवारों को इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। गाड़िया लुहार इन्द्रा देवी ने बताया कि नारायणपुर और आस-पास में गाडियां लुहारों के लगभग 50 परिवार अस्थाई रूप से रहते हैं। जमीन के अभाव में ये लोग तंबुओं में कष्ट भरा जीवन जी रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी की बात है रोटी की चिंता यानी कमाने की। आधुनिकता के चलते इनके बनाये औजार अब मशीनों से मुकाबला कर पाने में नाकाम हैं। जिसके कारण लुहारों के सामने परिवार पालने भर की कमाई नहीं हो पाती है। ज्यादतर परिवार सरकार की योजनाओं से बेखबर हैं। इस कारण वह सरकारी योजनाओं का लाभ ही नहीं उठा पाते। यह कहानी केवल नारायणपुर के आस-पास की ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के घुमन्तु गाडिया लुहारों की है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन की यह जिम्मेदारी नहीं कि वो इनको योजनाओं की जानकारी दे और इनके पुनर्वास में सहयोग करे।

तिरंगा लेकर निकले 2हजार स्कूली बच्चे

अलवर के एक निजी स्कूल के बच्चों ने तिरंगा रैली निकाली ।

अलवर, (निसं)। आजादी के 75वें वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। शनिवार को अलवर शहर में ओसवाल जैन सीनयर सैकेंडरी स्कूल के करीब 2 हजार बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर शहर की सड़कों पर निलके। बच्चे एक सुर में वंदेमातरम और देश के शहीदों के जयकारे लगाते गए। नेहरू गार्डन में चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा तक पहुंचे। वहां चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प बरसाए।

स्कूल के प्रिंसिपल विनोद शर्मा ने बताया कि इस रैली में करीब 2 हजार बच्चों ने भाग लिया। सरकार

- चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर बरसाए फूल

ने डाक विभाग के जरिए आमजन को तिरंगा उपलब्ध कराने का इंतजाम किया है। वहां से केवल 25 रुपए में तिरंगा ले जा सकते हैं। इस बार 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराने का अभियान है। अभी इसे अमृत महोत्सव की तैयारी हर तरफ नजर आने लगी हैं। डाक विभाग से अब तक 6 हजार से अधिक तिरंगा लोग लेकर जा चुके हैं।

28वां शान्ति वृक्ष मेहरानगढ़ में रोपा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के ऐतिहासिक मेहरानगढ दुर्ग में 28वां 'ट्री ऑफ पीस' (शान्ति वृक्ष) रोपण पूर्व शासक गज सिंह, हेमलता राज्ये, स्लोवक एम्बेसडर रोबर्ट मॅक्सिएन, जाना मॅक्सिएनोवा, अचलानन्द गिरी महाराज, डॉ मारेक सोबोला ने किया। इसी के साथ भारत 17वां देश इस सूची में शामिल हो गया है जहीं यह वृक्षारोपण किया गया।

पूर्व शासक गज सिंह, हेमलता राज्ये सहित कई विदेशी मेहमानों ने पौधा रोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि यह पहल स्लोवक गणतंत्र के एन जी ओ सरवरे एट मनेरे ने शुरू की ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शान्ति, सदभावना एवं प्रकृति संरक्षण का सन्देश पहुंचे। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2018 में हुई तथा अभी तक 16 देशों में 27 शान्ति वृक्ष रोपण किये जा चुके हैं। यह प्रोजेक्ट विदेश

- भारत बना 17वां देश जहां यह वृक्षारोपण किया गया

मंत्रालय, स्लोवक गणतंत्र सरकार के सहयोग से आयोजित किया। जैसे-जैसे यह पहल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही है वैसे ही इसका उद्देश्य भी बढ़ता जा रहा है। आपसी शान्ति, सदभावना के साथ ही इस पहल का उद्देश्य ऐतिहासिक स्मृति तथा प्रकृति को संरक्षित करना है।

वृक्षारोपण के साथ ही मेहरानगढ़ दुर्ग में बारिश शुरू हो गई। मारवाड़ में पौधारोपण करते हुए बारिश का शुरू होना एक शुभ संकेत माना जाता है। स्लोवक दूत रोबर्ट मॅक्सिएन एवं डॉ मारेक सोबोला ने पूर्व शासक गज सिंह को 'मेमोरियल मैडल ऑफ ट्री ऑफ पीस' से सम्मानित किया। यह उनके ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रसन्नपुरी गोस्वामी, रामजी व्यास, मेजर जनरल शेर सिंह, अरुण अग्रवाल, शैलेश माथुर, डॉ महेंद्र सिंह तंवर, घर्माशु बोहरा आदि उपस्थित थे।

डिग्गीपुरी लक्खी मेला परवान पर

मालपुरा/डिग्गी, (निसं)। डिग्गीपुरी लक्खी मेले में पिछले तीन दिनों से यात्रियों के आने का क्रम अनवरत जारी है, वहीं एकादशी ग्यारस तक लगातार यूं ही चलता रहेगा। रोज दर्जनों यात्राओं में लोग श्रीजी महाराज के पहुंचकर खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

तीन अगस्त को जयपुर ताडकेश्वर मंदिर से रवाना हुई पदयात्रा का ध्वज 7 अगस्त को सांय काल 5 बजे रोडवेज बस स्टैंण्ड से रवाना होगा जो सांयकाल आरती के समय 7 बजे डिग्गी मंदिर में चढाया जाएगा। वही जयपुर से आए हुए पदयात्रियों का सिलसिला चार तारीख से ही शुरू हो जाता है जो सात तारीख तक लगाजार चलता रहजा है। श्रद्धालु सुबह तीन बजे से ही अपने आराध्य देव के दर्शन पाने के लिए कतारों में लग जाते हैं। वहीं धार्मिक नगरी डिग्गीपुरी श्री जी महाराज के जयकारों से गुंजायमान रहा।

प्रशासन अपनी तैयारियां में श्रद्धालुओं की संख्या कोरोना काल खत्म होने के बाद पहली बार लग रहे मेले को लेकर दुगनी समझ रहा था। वहीं इस बार

डिग्गीपुरी लक्खी मेले में पिछले तीन दिनों से यात्रियों के आने का क्रम अनवरत जारी है।

श्रद्धालुओं की संख्या लगभग आधी ही नजर आई। जिला कलेक्टर चिन्मय गोपाल के निदेशों पर एडीएम प्रभाती लाल जाट मेले की व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। वही मालपुरा उपखंड अधिकारी रामकुमार वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार बैरवा, पुलिस उपाधीक्षक सुशी मान, नायब तहसीलदार चंद्रेशकर टांक, डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चोधरी मेले की लगातार मॉनिटिरिंग भी कर जायजा लेते रहे। ग्राम पंचायत की सरंपच हलिमा बानो, सरपंच प्रतिनिधि हकिम भाई, ग्राम विकास अधिकारी सूरेश चौधरी सहित ग्राम पंचायत प्रशासन भी मेले की व्यवस्थाओं को लेकर कंट्रोल रूम में जुटा हुआ है। मेले का समापन सात अगस्त को होगा। वही श्योपुर, सवाई माधोपुर, देवली सहित अन्य पदयात्राएं एकादशी को श्री जी महाराज के दर्शन करेगी। शनिवार को बस्सी गोंविदपुरा, मीनावाला, खेजडिया का रास्ता झोटवाडा सहित अन्य कहीं जगह से आई पदयात्रा डिग्गी श्री जी महाराज के दर्शन किए। टोंक आगर प्रबंधक डॉ एनके मीणा ने बताया कि टोंक डिपो के द्वारा लगाई गई बसों से जहां 2019 में 22 लाख के करीब आय हुई थी। वहीं इस बार पांच लाख के करीब आय हो चुकी है। वहीं जयपुर वैशाली नगर डिपो के चीप मैनेजर अनिल पारीक ने बताया कि 2019 के मुकाबले इस बार रोडवेज की इतनी आय नहीं हुई है। परन्तु अभी तक दो दिन बाकि है।

राशिफल रविवार 7 अगस्त, 2022

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, अनुराधा नक्षत्र सांय 4:30 तक, ब्रह्म योग दिन 10:02 तक, तैतिल करण दिन 1:01 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मेष, बुध-सिंह, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज फ्रेंडशिप डे है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:37 से 9:15 तक, लाभ-अमृत 9:15 से 12:33 तक, शुभ 2:11 से 3:47 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 7:07

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। घर-परिवार के कार्यों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धन प्राप्त हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
अपने महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यक्तिगत खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मीन
मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त हो सकते हैं। दिनचर्या व्यवस्थित होने लगेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 13 प्रभात बीकानेर, रविवार 7 अगस्त, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रू.

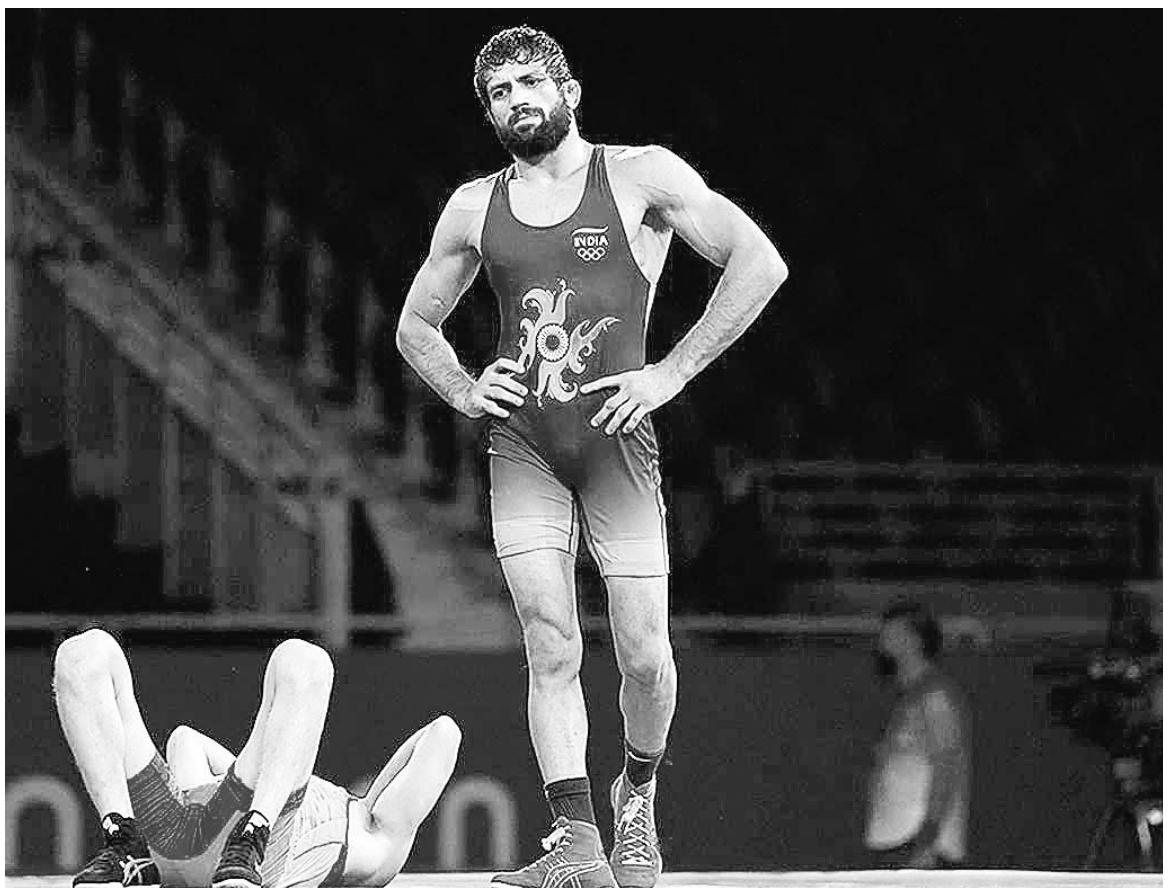

टोक्यो ओलंपिक के सिल्वर मैंडलिस्ट रवि दहिया ने कॉमनवैल्थ गेम्स में भी भारत का गौरव बढ़ाया है। रवि दहिया ने कुश्ती के पुरुष 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। रवि ने 57 किग्रा फाइनल में नाइजीरिया के वेल्सन एबीकेवेनिमो को तकनीकी श्रेष्ठता से हराकर स्वर्ण पदक जीता। कॉमनवैल्थ गेम्स में तीन बार के पदक विजेता वेल्सन मुकाबले की शुरुआत में रवि को पॉइंट स्कोर करने का कोई मौका नहीं दे रहे थे, लेकिन रवि ने अंततः उनके पैंरों को जकड़कर पॉइन्ट्स की झड़ी लगा दी और कॉमनवैल्थ गेम्स में अपना पहला स्वर्ण हासिल किया। इसके अलावा पहलवान पूजा गहलोत ने 50 किग्रा के कांस्य पदक के लिए खेले गये मैंच में स्कॉटलैण्ड की क्रिस्टेल लेमोफेक को मात दी।

जगदीप धनखड़ भारत के उपराष्ट्रपति निर्वाचित

धनखड़ को 528 वोट मिले, इतने वोट तो उपराष्ट्रपति के चुनाव में कृष्ण कांत, भैरोंसिंह शेखावत, हामिद अंसारी, वेंकैया नायडू को भी नहीं मिले थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। भारत ने अपना नया उपराष्ट्रपति चुन लिया है। वह है राजस्थान के झुंझुनूं के मूल निवासी जगदीप धनखड़।

जगदीप धनखड़ को एन.डी.ए. प्रत्याशी के रूप में 528 वोट मिले, जबकि विपक्ष की मारग्रेट अल्वा के खाते में 182 वोट गए।

इस चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण बात पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का वोटिंग में भाग ना लेने का निर्णय था। यह आश्चर्यजनक था क्योंकि जब धनखड़ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे तब वह ममता के सभी कार्यों राजनीतिक निर्णयों में हस्तक्षेप किया करते थे और मुख्यमंत्री ने उनसे पीछा छुड़ाने के भरसक प्रयास किये थे।

और अन्ततः जब उन्हें वहां से हटाकर उपराष्ट्रपति पद के लिए मोदी की पसंद के रूप में चयनित किया गया, तब भी ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) ने उनके खिलाफ वोट नहीं किया। वास्तव में उनकी पार्टी ने एक भी वोट नहीं डाला। इससे इन अटकलों को बल मिला है कि उन्होंने मोदी के साथ कोई सौदेबाजी कर ली है। ममता के 34 सांसदों ने वोट नहीं डाला।

धनखड़ राजस्थान विधानसभा में विधायक रहे और फिर केन्द्र की चन्द्रशेखर सरकार में मंत्री रहे। वह एक बार लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं।

राज्यसभा में उनका प्रवेश पहली बार होगा क्योंकि वह कभी इसके सदस्य नहीं रहे।

चुनाव के पीठासीन अधिकारी उत्पल सिंह द्वारा उनकी जीत की घोषणा कर उन्हें सर्टिफिकेट देने के बाद उम्मीद है कि प्रधानमंत्री उनसे भेंट कर उन्हें जीत की बधाई देंगे।

अब लोकसभा और राज्यसभा दोनों के संचालन प्रमुख राजस्थान से हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **उपराष्ट्रपति चुनाव का एक रहस्यमय पहलू रहा ममता बनर्जी की भूमिका। हालांकि, उन्होंने धनखड़ को प. बंगाल के राज्यपाल के पद से हटाने के लिए ऐड़ी से चोटी तक का जोर लगा लिया, राज्यपाल के रूप में धनखड़ की भूमिका से तंग होकर, पर अंत में धनखड़ का जाना तय हो गया तो उन्होंने धनखड़ के खिलाफ वोट नहीं किये।**
- **उनके इस निर्णय को प्र.मंत्री मोदी के नज़दीक जाने का संकेत माना गया।**
- **धनखड़ की राजनीतिक यात्रा काफी रोचक रही है। पहले वे जनता दल में थे, फिर कांग्रेस से जुड़े और अन्ततोगत्वा भाजपा से नाता जोड़ा व प. बंगाल के राज्यपाल नियुक्त हुए।**

केन्द्रीय सरकार व तमिलनाडू लेई-देई में फंसे जी.एस.टी. के मसले पर

निर्मला सीतारमन ने भाजपा की केन्द्रीय सरकार की ओर से मोर्चा संभाला, तमिलनाडू के वित्त मंत्री पी.टी.आर. ने पलट वार किये

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। अर्थशास्त्र या कहें कि अर्थव्यवस्था की सार-सँभाल तथा इश्यू वेलफेयर अर्थशास्त्र तमिलनाडु को केन्द्र के साथ सीधे टकराव की स्थिति में ले आया है।

संसद में महँगाई पर हुई बहस के दौरान, डी.एम.के. सदस्य कनिमोई की ओर से की गई आम आदमी के उपयोग में आने वाली जरूरी चीजों पर जी.एस.टी. लगाये जाने की आलोचना तथा तमिलनाडु के वित्त मंत्री द्वारा दिये गये पेट्रोलियम उत्पादों पर सैन्ट्रल एक्साइज में कटौती के सुझाव के दंशों से पीड़ित केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिल भाषा में जवाब दिया, उन्होने इसे राज्य का पाखंड बताया क्योंकि वह जी.एस.टी. पर हुए निर्णयों में शामिल है पर बाहर आकर इसकी आलोचना कर रहा है। केन्द्र द्वारा की गई एक्साइज कटौती की याद दिलाते हुए, सीतारमण ने पूछा कि आम आदमी को राहत देने के लिये तमिलनाडु वी.ए.टी. (वैट) में कमी क्यों नहीं कर सका। उन्होंने चुनावी वादों को पूरा नहीं करने के लिये तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी की कटु आलोचना की। उसके बाद, तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ हमलों की भी शुरुआत कर दी।

भाजपा नेताओं का कहना है कि जहाँ केन्द्र ने पेट्रोल तथा डीज़ल की एक्साइज ड्यूटी में क्रमशः 14.50 रू. तथा 17 रू. की बड़ी कटौती कर दी है, वहीं राज्य सरकार ने वैट में मात्र 3 प्रतिशत कटौती की है तथा केन्द्र को जन-कल्याण पर भाषण दे रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **निर्मला सीतारमन ने पहला वार किया, यह कह कर कि, तमिलनाडू, जी.एस.टी. की बैठक में तो सभी प्रस्तावों पर सहमति जताता है, पर बैठक से बाहर आकर उन निर्णयों की कड़ी आलोचना करता है।**
- **तमिलनाडू के वित्त मंत्री पी.टी.आर. ने प्रत्युत्तर में कहा कि, जिस तरह का ''वोटिंग सिस्टम'' है जी.एस.टी. काउन्सिल में, उसमें 30 प्रतिशत वोटिंग राइट्स केन्द्रीय सरकार के पास रहते हैं, बाकी सभी राज्यों में बांटे जाते हैं, राज्य सरकार की आवाज में कुछ दम नहीं होता।**
- **पी.टी.आर. ने यह भी कहा कि, निर्मला सीतारमन, तमिलनाडू पर ताना मारती हैं कि, राज्य सरकार पैट्रोल व पैट्रोलियम उत्पादों पर टैक्स घटाने को तैयार नहीं, आम आदमी को रिलीफ देने के लिये। पर, वे (निर्मला सीतारमन) भूल जाती हैं कि, केन्द्रीय सरकार ने गत सात साल से पैट्रोल, डीज़ल पर टैक्स में कई बार बढ़ोतरी की है, जबकि तमिलनाडू सरकार ने एक बार भी टैक्स नहीं बढ़ाया।**
- **पी.टी.आर. ने यह भी कहा कि, जब से जी.एस.टी. व्यवस्था लागू हुई है, राज्य सरकारों के पास आमदनी का कोई और स्रोत नहीं रह गया है, अतः वे पैट्रोल पर टैक्स कम करके, अपने आर्थिक साधन कितना घटा दें।**

रिलायंस बनाम सेबी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अपने एक फैसले में सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड (एस.ई.बी.आई.) ऑफ इंडिया की खिंचाई की क्योंकि उसने न्यायमूर्ति (सेनि) बी. एन. श्रीकृष्ण की राय के कुछ अंशों की ''चैरी-पिंकिंग की थी, जबकि उस सूचना को प्रकट करने के लिये इनकार कर दिया गया था, जो रिलायंस इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (आर.आई.एल.) को दोष मुक्त किये जाने से सम्बन्धित थी।

यह केस उस याचिका से सम्बन्धित है, जो सुप्रसिद्ध चार्टर्ड अकान्टेंट एस.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2002 में एस. गुरूमूर्ति की शिकायत पर दर्ज केस में रिलायंस के पक्ष में फैसला सुनाया और सेबी को कड़ी फटकार लगाई व कहा कि, रिलायंस को जस्टिस बी.एन. कृष्णा की राय के सभी दस्तावेज उपलब्ध करवाए।**

पूर्व मु.मंत्री पलानीस्वामी ने डी. एम. के. की पूर्ण बागडोर संभाली

पर पलानीस्वामी व पनीरसेल्वम की, पार्टी पर एकाधिकार की लड़ाई ने भाजपा का रास्ता साफ किया, तमिलनाडू में प्रवेश करने का

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। तमिलनाडू की मुख्य विपक्षी पार्टी ए.आई.ए.डी.एम.के. अर्थात अन्नाद्रमुक जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री एडापड्डी पलानिस्वामी ने कब्जा कर लिया है, की आपसी लड़ाई ने सत्तारूढ़ डी.एम.के. को एक तरह से खुली छूट दे दी है।

विपक्षी ए.आई.ए.डी.एम.के. के सबसे बड़े दो नेताओं एवं पूर्व मुख्यमंत्रियों पलानिस्वामी और ओ. पनीर सेल्वम (ओ.पी.एस.) के बीच एक-दूसरे को खत्म करने की लड़ाई का खात्मा पलानिस्वामी के पार्टी पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने और अपने शत्रु को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से हटाने के साथ हुआ।

पार्टी से निष्कासन होने के बाद ओ.पी.एस. पार्टी का पूर्ण नियंत्रण पलानिस्वामी को सौंपने वाली पार्टी की कार्यवाहियों को रद्द करवाने के लिए एक के बाद एक कोर्ट का दरवाजा खटखटाते रहे हैं। उनका अंतिम विधिक कदम गुरूवार को सुप्रीम कोर्ट की शरण लेना था, जिसमें उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट के उस निर्णय को पलटने की मांग की जिसके तहत ए.आई.ए.डी.एम.के. मुख्यालय का स्वामित्व पलानिस्वामी को दे दिया गया था। वास्तव में मद्रास हाई कोर्ट ने अपने एक अलग आदेश में ए.आई.ए.डी.एम.के. की जनरल काउन्सिल की एक मीटिंग करने की भी अनुमति प्रदान की थी जिसमें ओ.पी.एस. को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अन्ततः निष्कासित कर दिया गया और ई.पी.एस. को ए.आई.ए.डी.एम.के. अंतरिम महासचिव चुन कर उन्हें पार्टी का पूर्ण नियंत्रण सौंप दिया गया था।

पार्टी के समन्वयक एवं अपने विरोधी ओ.पी.एस. को पार्टी से बाहर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा के इस प्रयास को मजबूती मिल रही है, नये प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई की सक्रियता से।**
- **अन्नामलाई, कर्नाटक कैडर के आई.पी.एस. अफसर हैं तथा तमिलनाडू में आम जनता को छूने वाले मामलों को पुरज़ोर ढंग से उठा रहे हैं।**
- **केन्द्र में भी भाजपा की ही सरकार है, इससे अन्नामलाई का काम कुछ आसान हो जाता है, छोटी-छोटी पार्टियों का डी.एम.डी.के. से गठबंधन कराने में।**
- **जैसा कि विदित ही है, गत लोकसभा चुनाव में तमिलनाडू की 39 सीटों में से एक को छोड़कर सभी सीटों पर डी.एम.के. ने जीत हासिल की थी। अब अगर भाजपा छोटी-छोटी पार्टियों से गठबंधन कर, एक सशक्त विकल्प प्रस्तुत करती है डी.एम.के. का, तो वाकई में अन्नामलाई की भारी सफलता मानी जायेगी।**

पानी निकासी

सुजानगढ़ , 6 अगस्त (निसं)। गैनाणी से ताल की ओर पानी निकासी के लिए डाली गई पाईप लाईन के बार-बार लीकेज की समस्या को दूर करने के लिए नगरपरिषद द्वारा शीघ्र ही नई पाईप लाईन डाली जायेगी। नगरपरिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने बताया कि गैनाणी से ताल में पानी छोड़ने के लिए 45 साल पहले, वर्ष1977 में पाईप लाईन डाली गई थी, जो बार बार लीक हो रही थी, और इससे कभी भी भारी समस्या आ सकती थी। प्रशासन आपदा के तहत 70 से 75 लाख रु. तक एस्टीमेट बनाकर टेंडर निकाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **45 साल पहले पानी निकासी के लिए डाली गई पाइप लाईन के ऊपर बना लिए मकान, लीकेज से आया घरों में पानी, अब 75 लाख रूपये की लागत से नगर परिषद डालेगी नई पाईप लाईन।**

प्र.मंत्री व गृह मंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं, वरूण गांधी की ''अठखेलियों'' पर ध्यान न दें?

हाई कमान का शायद मानना है कि, वरूण गांधी के खिलाफ कार्यवाही करने से बेवजह मेनका गांधी के भाजपा में प्रवेश व मंत्री के रूप में भूमिका चर्चा का विषय बनेगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। अक्खड़ स्वभाव के भाजपा नेता वरूण गांधी, जो तीन बार लोकसभा सांसद रहे हैं, द्वारा अपनी पार्टी, सरकार तथा नेतृत्व के खिलाफ किए गए कटाक्षों तथा अनेक बार की गई कटु निन्दा के बावजूद सत्तारूढ़ भाजपा किसी प्रकार के उकसावे में नहीं आ रही हैं। उनका नवीनतम निशाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जिनके विपक्ष पर किए गए ''रेवड़ी'' कटाक्ष पर वरूण ने तीखी टिप्पणी की जो चर्चा का विषय बन गई है।

पीलीभीत सांसद वरूण गांधी ने अपनी सरकार पर तीखा व्यंग्य उस समय किया, जब भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में कहा कि जनता को मुफ्त राशन देने के लिये सरकार को बधाई दी जानी चाहिये। पिछले पाँच सालों में डूबत ऋण की बहुत बड़ी राशि, जिसे ''राइट ऑफ'' (माफ) कर दिया, की तुलना मुफ्त राशन देने से करते हुये, वरूण ने हिन्दी में ट्वीट किया, ''जो सदन गरीबों को 5 किलो राशन मुफ्त देने के लिये ''धन्यवाद'' की अपेक्षा करता है, वही सदन यह भी बताता है कि पिछले पाँच सालो में 10 लाख करोड़ रू ऋण को माफ कर दिया गया है।

वरूण आगे कहते हैं, ''मुफ्त रेवड़ी'' वाली सूची में सबसे ऊपर मेहुल चोकसी तथा ऋषि अग्रवाल के नाम है। सरकारी फंड पर पहला अधिकार किसका है?''

उनकी इस पोस्ट के साथ ही, वित्तराज्य मन्त्री भागवत के. कराड़ द्वारा संसद में पेशस किये गये आँकड़े भी दिये हुये हैं।

निशिकान्त दुबे ने अभी हाल ही में लोकसभा में कहा था कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने के लिये मोदी सरकार को बधाई दी ही जानी चाहिये।

प्रधानमंत्री ने पिछले माह उस समय एक उपद्रव खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने ''रेवड़ी कल्चर'' के खिलाफ जनता को चेतावनी दी थी।

उत्तर प्रदेश में एक एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करने के बाद, जन समुदाय को सम्बोधित करते हुये, मोदी ने कहा था, कि मुफ्त चीजें देने के वादों पर वोट माँगने की राजनैतिक दलों की प्रवृत्ति देश के लिये खतरनाक हो सकती हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पर, भाजपा हाई कमान के इस अभय दान का भरपूर ''लाभ'' उठा रहे हैं वरूण गांधी।**
- **उन्होंने नवीनतम खिल्ली, प्र.मंत्री मोदी के राजनीतिक दलों की ''रेवड़ी सभ्यता'' के खिलाफ दिये गये भाषण की उड़ाई।**
- **वरूण गांधी ने भाजपा सांसद निशीकांत दुबे द्वारा संसद में दिये भाषण को लक्ष्य बनाकर कहा, ''वे (निशीकांत दुबे) चाहते हैं, भारत की जनता प्र.मंत्री का आभार माने कि 80 करोड़ लोगों को 5 किलो राशन फ्री बंटवाया।**
- **वरूण ने कहा कि, इसी दौरान केन्द्रीय सरकार ने 10 लाख करोड़ रूपये के ऋण माफ किये, मित्र उद्योगपतियों के।**

धमोरा गांव का लाडला

गुढ़ागौड़जी, 6 अगस्त (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती गांव धमोरा की जाखड़ों की ढाणी का दुष्यंत सिंह जाखड़ थाईलैंड के नाखोन-पथोम शहर में वॉलीबाल आयोजित होने वाले सात दिवसीय ए.वी.सी. कप में भारतीय पुरुष टीम का नेतृत्व करेगा। भारत की19 सदस्यीय टीम शुक्रवार को कोलकाता के नेताजी सुभाषचंद्र बोस एयरपोर्ट से थाइलैंड के लिए रवाना हुई।

भारतीय वॉलीबाल महासंघ के सचिव अनिल चौधरी ने ए.वी.सी. कप में भाग लेने वाली भारतीय टीम की घोषणा की थी। यह टीम थाइलैंड में दुष्यंतसिंह जाखड की कप्तानी में चैम्पियन बनने के लिए दमखम दिखाएगी। दुष्यंत का परिवार भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **धमोरा गांव के दुष्यंत सिंह जाखड़ थाईलैंड में हो रही ए.वी.सी. कप वॉलीबॉल में भारतीय टीम के कप्तान बनाए गए हैं।**

जालोर जिले में गायों में फैल रही है लम्पी स्किन बीमारी

भामाशाह गायों के लिए चारा व पानी की व्यवस्था में जुटे, उपचार के अभाव में गाय दम तौड़ रही हैं

जालोर, (कासं)। जिले भर में गायों में लम्पी स्किन बीमारी तेजी से फैल रही है। भामाशाह गायों के लिए चारा व पानी की व्यवस्था में जुटे हुए हैं । लेकिन गायों के मरने का सिलसिला जारी है। उचित उपचार के अभाव में गाय तडप तडप कर दम तौड़ रही है।

जालोर जिले के बागरा कस्बे में ग्राम पंचायत व ग्रामीणों के सहयोग से बीमारी गायों के लिये भीनमाल रोड साँवलाजी मन्दिर के पास खाली पड़ी जमीन पर एक गौशाला की व्यवस्था की है। जिसमें ग्राम पंचायत द्वारा ट्रेक्टर कर गांव में जगह -जगह जो लम्पी स्किन बीमारी से पीड़ित गायें खड़ी हैं उनको गौशाला में लाया जा रहा है। उस गौशाला में बीमार गायों के लिये चारा पानी दवाई की व्यवस्था की गई है। भामाशाहों के द्वारा पीड़ित गायों पर फिटकरी,नीम आदि से बनी दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है।

इस गौशाला का सरपंच सत्यप्रकाश राणा ने शनिवार को निरीक्षण किया तथा बीमारी से पीड़ित गायों को हर सम्भव सहायता देने की बात कही। पशु चिकित्सक इमरान खान इलाज में जुटे हैं । इस अवसर पर भामाशाह थानमल प्रजापत, कृष्णपाल सिंह सिंधल,गोपाल सिंह मोक राजपुरोहित, भगवत सिंह,पंचायत सहायक हरीश रांगी सहित कई गौसेवक मौजूद रहे।

जिला कलैक्टर के निर्देशानुसार जिलेभर में उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं विकास अधिकारियों द्वारा लंपी स्किन डिजीज के संबंध में सारणेस्वर गौशाला (महेशपुरा), जालंधरनाथ गौशाला, अरणाय गौशाला, तिलोदा, मेंगलवा गौशाला, कृष्ण गौशाला (लेटा), सांकरणा गौशाला, कागमाला गौशाला, भापड़ी गौशाला, मालवाड़ा गौशाला, भागल सेफ्टा, सुरेस्वर गौशाला (ऊन) सहित जिले में स्थित विभिन्न गौशालाओं में पशु चिकित्साधिकारियों के साथ पहुंचकर व्यवस्थाएं देखी।

सामाजिक संगठन के लोगों ने गोशाला में सोडियम हाइपो क्लोराइड का छिड़काव किया।

- बागरा कस्बे में भीनमाल रोड सांवलाजी मन्दिर के पास संक्रमित गायों के लिए गौशाला बनाई

सीएमओं से हरी झंडी का हो रहा है इंतजार, जल्द होंगे शिक्षक तबादले

बीकानेर, (कासं)। तबादलों पर रोक हटने के बाद आदेशों की झड़ी लगाने वाले शिक्षा विभाग में इस बार जल्दबाजी नहीं है, बल्कि ट्रांसफर का इंतजार कर रहे टीचर्स भी परेशान हो गए हैं। स्कूल्स में सेशन शुरू हुए एक महीने से ज्यादा वक्त हो गया लेकिन ट्रांसफर लिस्ट जारी नहीं हुई। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सचिवालय से हरी झंडी मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

दरअसल, शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर लिस्ट को अंतिम रूप दे दिया था। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से जयपुर पहुंची टीम के मुताबिक काम होता तो अब तक ट्रांसफर आदेश तो दूर ज्वाइनिंग भी हो जाती। इसके विपरीत ट्रांसफर लिस्ट में बार बार फेरबदल हो रहा है। इस बार मुख्यमंत्री सचिवालय से भी ट्रांसफर लिस्ट 'वेरिफाई' हो रही है। वहीं पहले से बनी लिस्ट्स में बार- बार फेरबदल हो रहा है। यही कारण है कि ट्रांसफर लिस्ट में नित नई अड़चन आ रही है।

- सीएम सचिवालय से भी ट्रांसफर लिस्ट 'वेरिफाई' हो रही है

एक अनुमान के मुताबिक प्रिंसिपल और हेडमास्टर के साथ ही लेक्चरर और ग्रेड सेकंड के ट्रांसफर की लिस्ट तैयार है। इस ट्रांसफर से पहले महात्मा गांधी स्कूल्स में प्रिंसिपल व हेडमास्टर लगाए जाने थे। अब वो काम भी लगभग हो चुका है। ग्रेड सेकंड के टीचर्स को भी महात्मा गांधी स्कूल के लिए चयनित किया जा रहा है। इस चयन के बाद ग्रेड सेकंड की लिस्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। जबकि प्रिंसिपल व हेडमास्टर के साथ लेक्चरर की लिस्ट तैयार है। वहीं समसा में भी बड़ी संख्या में टीचर्स का डेपुटेशन होना था। यहां लेक्चरर को छोड़ सभी के डेपुटेशन का काम हो चुका है। महात्मा गांधी स्कूल्स में प्रिंसिपल की लिस्ट एक बार जारी हुई लेकिन बाद में स्थगित कर दी गई।

इस कारण प्रिंसिपल ट्रांसफर लिस्ट में भी फेरबदल हो रहा है। बताया जा रहा है कि अब सोमवार से ट्रांसफर का सिलसिला शुरू हो सकता है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने शनिवार को भी अधिकारियों के साथ मीटिंग की है। अब नए सिरे से मशक्कत करके जल्द से जल्द ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोकार्पण से पहले ही जगह-जगह से उखड़ी सड़क

मिसिंग लिंक योजना के तहत बनी सड़क कुछ महिनों में ही उखड़ी।

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत 78 लाख 50 हजार रुपए की लागत से सार्वजनिक निर्माण विभाग के द्वारा 2.90 किमी सड़क का निर्माण कार्य मिसिंग लिंक योजना के तहत कालाडेरा से भीलपुरा तक वाया चाहरों की ढाणी तक किया गया। जिस सड़क का लोकार्पण विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया जाएगा उस सड़क को बने हुए अभी लगभग 2 महीने भी पूरे नहीं हुए हैं। सड़क मानसून कि पहली बारिश में ही जगह-जगह से टूट कर उखड़ चुकी है साथ ही सडक टूटने के कारण बारिश का पानी भी सडक पर भरा है वहीं सडक के दोनों और कई जगह तो अभी भी मोहरम डाल कर पट्टी बनाना बाकी है।

गौरतलब है कि सडक का शिलान्यास 15 अक्टूबर 2021 को चौंमू विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया गया था। वहीं विभाग के द्वारा जो सूचना बोर्ड लगाया गया है उस बोर्ड पर कार्य प्रारंभ करने की तिथि 3 अक्टूबर 2021 एवं नियत समाप्ति तिथि 2 जून 2022 लिखी हुई है। लेकिन अभी तक भी सड़क का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है साथ ही घटिया निर्माण कार्य के कारण सडक जगह-जगह से उखड़ चुकी है। वहीं लोकार्पण कार्यक्रम कि सूचना मिलने के बाद कार्यक्रम में आने वाले जनप्रतिनिधियों को घटिया निर्माण कार्य का पता ना चले इसको लेकर ठेकेदार के द्वारा आनन-फानन में पेच वर्क करने का काम भी किया जा रहा है।

- 78 लाख 50 हजार रुपए की लागत से हुआ 2.90 किमी सड़क का निर्माण

एएसआई घूस लेते ट्रैप

श्रीगंगानगर,(निसं)। एंटी करप्शन ब्यूरो की श्रीगंगानगर चौकी ने शनिवार को श्रीगंगानगर में कार्रवाई करते हुए श्रीकरणपुर थाने के एएसआई को धर

- मामले में एफआर लगाने की एवज में मांगी थी 15 हजार रुपए रिश्वत

दबोचा। एएसआई ने एक मामले में एफआर लगाने की एवज में पहले पचास हजार रुपए रिश्वत की मांग की। अंत में पंद्रह हजार रुपए लेने पर सहमत हो गया। गुरुवार को रिश्वत मांग सत्यापन करवाया गया। वेरिफिकेशन हो जाने पर शनिवार को एसीबी ने डीएसपी वेदप्रकाश लखोटिया के निर्देशन में कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा। आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। श्रीगंगानगर की सिंधी कॉलोनी के रहने वाले उग्रसेन पुत्र धर्मपाल मूल रूप से श्रीकरणपुर के गांव मुकन का रहने वाला है। उसके खिलाफ श्रीकरणपुर थाने में मामला दर्ज था। उग्रसेन की शिकायत पर एसीबी ने रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया तो मामला पंद्रह हजार रुपए देने पर तय हो गया। वेरिफिकेशन के वक्त गुरुवार को आरोपी उग्रसेन ने दस हजार रुपए शेष पांच हजार रुपए शनिवार को देना तय हुआ। शनिवार को उग्रसेन पांच हजार रुपए रिश्वत राशि देने के लिए पहुंचा। इसी दौरान एसीबी ने जाल बिछा लिया। मौके पर आरोपी के रिश्वत राशि लेने के साथ ही एसीबी टीम ने उसे धर दबोचा।

लम्पी डिजीज को लेकर सामाजिक संगठन आगे आए

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश के साथ मारवाड़ में तेजी से पैर पसार रहे लंपी वायरस को लेकर प्रशासन के साथ अब सामाजिक संगठन भी आगे आने लगे है। कोई नीम-गिलोय और हल्दी के लड्डू बनाकर गायों को खिला रहे हैं तो कोई गायों के बाड़े में हाइपो और कीटनाशक दवाओं का छिडक़ाव कर रहे हैं। वहीं कोई गायों के लिए आयुर्वेदिक चाटा बनाकर खिला रहा है।

तारा सेवा संस्थान ने बनाड़ रोड गिरिजा नगर में पालतू गायों को लंपी बीमारी से बचाने के लिए घर-घर और गोशालाओं में सर्वे कर सोडियम हाइपो क्लोराइड का छिडक़ाव किया।

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग ने 6 टोलियां बना 6 स्थानों पर 6 हजार औषधियुक्त लड्डू बना बीमार गायों को खिलाने का अभियान शुरू किया। इसमें विहिप के अनिल अग्रवाल, जितेंद्र शर्मा कृष्णा वैष्णव के नेतृत्व में टीमें जुटी हैं।

ओम माधव गो सेवा समिति अध्यक्ष राहुल सोलंकी व अरुण सोलंकी ने बताया कि गायों को हल्दी, काली मिर्च, देसी घी आदि से चाटा बनाकर सुबह-शाम खिला रहे हैं।

- तारा संस्था, विहिप, ओम माधव सतिति सहित पीपाड़ के युवा गौ सेवा में जुटे

गोवंश बचाओ अभियान के तहत ग्राम पंचायत सांगरिया में पशुओं में फैल रही लंबी बीमारी से बचाव के लिए इंजेक्शन लगाए गए।

पीपाड़ शहर के युवाओं ने त्वरित रूप से अपने स्तर पर व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर स्वयं के स्तर पर वित्तीय सहायता राशि एकत्रित कर क्षेत्र के गोवंश की देखभाल एवं बचाव करने की दिशा में कार्य करना आरंभ कर दिया।

युवाओं की पहल और अनुकरणीय भागीदारी की सराहना करते हुए उपखण्ड अधिकारी चौधरी ने कहा कि इससे आम जन में प्रेरणा का संचार होगा ।

पावटा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लंपी वायरस के मामले मिले

पावटा, (निसं)। राजस्थान में तेजी से फैल रही संक्रामक बीमारी लंपी स्किन गौवंश के लिए जानलेवा हो गई है। विशेषकर गौशालाओं में इस रोग का अटैक सबसे अधिक देखने को मिल रहा है।

दरअसल लंपी स्किन डिजीज संक्रमण को लेकर उपखंड पावटा में प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद होने के बाद भी यह पावटा शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रोग धीरे धीरे पनप रहा है ।

विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में बीमारी से ग्रसित गांयों को देखकर विधायक इंद्राज गुर्जर ने पशु विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए गांवों में पशुओं के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम गठित की । पावटा क्षेत्र में लंपी स्किन बीमारी से ग्रसित पांच गौवंशों की सूचना पर मौके पर पहुंचे एलएसए गोविन्द भारद्वाज ने स्वयं के खर्चे पर ही उपचार किया। चरवाहों का एक समूह लो लगभग 40 से 50 गाय लेकर जा रहा था। डॉ. गौरीशंकर शर्मा ने उन्हें रोककर उन गायों को देखा तो उनमें एक गाय संक्रमित पायी गयी। जिस पर भारद्वाज को मौके पर बुलाकर गौवंश का उपचार करवाया गया।

- डॉक्टरों की टीम गठित कर किया जा रहा उपचार

रातकोट में लंपी वायरस की दस्तक

बांदनवाड़ा, (निसं)। भिनाय उपखंड की पंचायत रातकोट में एक गाय ल म्पी वायरस के संक्रमण की संदेहास्पद पाई गई। रामल ाल रिणवा ने बताया कि पशुपाल क रामधन थरौदा की गाय लंपी वायरस के संक्रमण से ग्रसित पाई गई जिसकी पुष्टि पशु चिकित्सक अरविंद कुमार ने की है। संक्रमित गाय का शनिवार को पशु चिकित्सा कर्मियों की टीम ने गांव रातकोट पहुंचकर उपचार किया।

नाकाबंदी में कांस्टेबल शहीद, पुलिस महकमे में छाया शोक

घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची व लोगों की भीड़ लग गई।

जोधपुर, (कासं)। कमिश्रेरेट के जिला पश्चिम के कुडी थाने में तैनात कांस्टेबल रमेश विश्रोई रात को ड्यूटी करते शहीद हो गये । एक अधिवक्ता की कार ने ड्यूटी करते जोरदार टक्कर मारी। अस्पताल ले जाने के कुछ देर बाद निधन हो गया। इस घटना से पुलिस महकमे शोक की लहर छा गई। हाल ही के दिनों में यह दूसरी घटना है । बोरानाडा में रात को ड्यूटी करते एक कांस्टेबल की मृत्यु हो गई थी।

आज सुबह कमिश्रेरेट पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ सहित कई अफसर एम्स अस्पताल की मोर्चरी पर पहुंचे। जहां कांस्टेबल रमेश विश्रोई को गार्ड ऑफ ऑनर दिए जाने के साथ शव पर पुष्प गुच्छ चढ़ाए ।

शेरगढ़ के केतु स्थित खेत नगर के रहने वाला 27 वर्षीय कांस्टेबल रमेश विश्नोई शुक्रवार की रात पौने बारह बजे के आस -पास वह नाका नंबर 3 पर डिवाइडर पर चढ़ टार्च से रोशनी कर संदिग्ध की तलाश में भी था। इतने में नाका की तरफ आई एक तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई बाद में उस पर चढ़ते हुए कांस्टेबल रमेश विश्रोई को चपेट में लिया। कार की गति इतनी तेज थी कि वह कांस्टेबल को उड़ाते हुए खंभे से जा भिड़ी। कार और खंभे के बीच कांस्टेबल रमेश विश्रोई फंस गया।

- तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई बाद में कांस्टेबल रमेश को चपेट में ले लिया
- कार और खंभे के बीच फंस गया था कांस्टेबल रमेश विश्रोई
- साल भर पहले हुई थी शादी

कुडी थाने के सबइंस्पेक्टर विश्राम मीणा के अनुसार कार चालक अधिवक्ता महिपाल विश्रोई था। नशा किए जाने की बात से पुलिस ने इंकार किया है। घटना में वह भी कुछ चोटिल हुआ है। कांस्टेबल रमेश विश्रोई की शादी सालभर पहले ही हुई थी। उसके कोई संतान भी नहीं है ।

पुलिस आयुक्त सहित कई अफसर एम्स पहुंचे : आज सुबह पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़, डीसीपी वेस्ट गौरव यादव, एडीसीपी हरफूलसिंह, एसीपी बोरानानाडा जेपी अटल, कुडी थानाधिकारी सुमेरदान सहित कई अन्य अफसरों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर शव को राजकीय सम्मान के साथ गांव के लिए विदा किया गया।

इस घटना के बाद आज पुलिस उपायुक्त पश्चिम गौरव यादव ने आदेश जारी किया। उन्होंने बताया कि शराब पीकर और ओवर स्पीड से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती की जाएगी। आज से 12 अगस्त तक अभियान चलाकर वाहनों को पकड़ने के साथ चालकों का लाइसेंस निलंबित किया जाएगा।

तालाब में नहाने गई तीन बालिकाओं की पानी में डूबने से मौत

करौली(नि.स.)। करौली जिले के मण्डरायल उपखंड की चंदेलीपुरा ग्राम पंचायत के मुरीला गांव के तालाब में डूबने से तीन बालिकाओं की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने बालिकाओं के शव तालाब से बाहर निकाला। वहीं गांव मे कोहराम मच गया और शोक की लहर छा गई।

चंदेलीपुरा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच अशोक ने बताया कि शनिवार को दोपहर राजकुमारी पुत्री विद्याराम निवासी मुरीला, सनई पुत्री यादराम निवासी मुरीला, गौरा पुत्री हरकेश निवासी रामपुर की झोपड़ी तथा एक अन्य बालिका के साथ गांव के पास स्थित तालाब में नहाने चली गई। जहां तीन बालिकाएं पानी मे नहाने लगी और एक बालिका किनारे पर ही रुक गई। तालाब के गहरे पानी में जाने के कारण तीनो बालिकाएं डूबने लगी। एक दूसरे को बचाने के प्रयास में सभी बालिकाएं गहरे पानी में चली गई। इस दौरान तालाब किनारे पर बैठी बालिका भागकर घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीणों की भीड़ तालाब पर जमा हो गई। लोगों ने मशक्कत के बाद तीनों बालिकाओं के शव तालाब से बाहर निकालें। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार, उपजिला कलेक्टर और मण्डरायल थानाधिकारी पुलिस जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पूर्व सरपंच ने बताया कि गौरा अपने ननिहाल मुरीला गांव में ही रहती थी और गांव की लड़कियों के साथ तालाब में नहाने चली गई। घटना के बाद बालिकाओं के पोस्टमार्टम की कार्यवाही की।

हत्या के आरोपियों को फांसी सुनाई

भीलवाडा (निसं)। भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र में 7 साल पहले हुए निंबाहेडा के एक परिवार की निर्मम हत्या के मामले में एडीजे (महिला उत्पीड़न प्रकरण कोर्ट) ने शनिवार को अहम फैसला सुनाया है। न्यायालय ने इस निर्मम हत्याकांड के मुख्य आरोपित शराफत व इसके राखीबंद भाई राजेश खटीक को फांसी की सजा से दंडित किया है। दोनों पर क्रमश: 15-15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। विशिष्ट लोक अभियोजक संजू बापना ने बताया कि जिले के मांडल व रायला थाना क्षेत्र में निम्बाहेड़ा के 38 वर्षीय युनूस उर्फ सोनू, इसकी पत्नी चांदतारा उर्फ सोनिया 35, बेटे अशरफ 10, बेटी गुडिया 7, साजिया उर्फ आशिदा 4 व शकीना 2 को जियारत के बहाने यहां लाकर हत्या कर दी थी। एक ही परिवार के 6 सदस्यों की खौफनाक हत्या से पूरा क्षेत्र सहम उठा था।

बनास पुल टूटने की सूचना पर मचा हड़कम्प

टोंक, (निसं)। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन सहित जिला मुख्यालय पर उस वक्त हड़कम्प मच गया, जब यह खबर आग की तरह फैली कि बनास पुल टूट गया है। तत्काल अधिकारियों एवं सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे और तब राहत की सांस ली, जब पता चला कि यह जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी।

जानकारी के अनुसार शनिवार को सुबह जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी, एडीएम परशुराम धानका, एसडीएम गिरधर, एएसपी सुभाष चन्द्र मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक सलेह मोहम्मद, शहर कोतवाल जितेन्द्रसिंह, थानाधिकारी राजेन्द्र खंडेलवाल सहित कई अधिकारी, पुलिस जवान, एनडीआरएफ ओम सहित शहर के जागरुक लोग मौके पर पहुंच गए और मौके पर हालात जाने और सच्चाई जानने के लिए मीडिया कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। सबने जब राहत की सांस ली, तब पता चला कि यह जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी। सुरक्षा की दृष्टि के मद्देनजर जिला प्रशासन की ओर से मॉकड्रील होती है, जिससे पता चलता है कि कौन अधिकारी कितना चौकन्ना है और कौन लापरवाह है और शहर की जनता का कितनी सजग है।

- मौके पर पहुंचे तो पता चला कि जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी
- सच्चाई जानने मीडिया कर्मी भी मौके पर पहुंच गए

मालपुरा में निर्माणाधीन ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी गिरी

मलबे में दबे पांच श्रमिक, चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर

मालपुरा, (निसं)। दूदू छाण स्टेट हाईवे पर अम्बापुरा गांव के पास सड़क सीमा से महज सौ मीटर दूर कृषि भूमि पर अवैध रूप से निर्माणाधीन ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी धराशाही हो जाने से मलबे में दबकर पांच श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें डिग्गी कल्याणजी के जा रहे पदयात्रियों ने निकाल और मालपुरा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से पांचों घायलों को जयपुर रैफर किया गया।

मामले के अनुसार टोरडी ग्राम पंचायत के अम्बापुरा गांव के पास कृषि भूमि खसरा नम्बर 429/3 में अवैध रूप से निर्माणाधीन एक ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी शनिवार की दोपहर गिरने के बाद श्रमिकों के चिल्लाने व मलबे में दबने के बाद मौके पर मौजूद ईंट भट्टा निर्माण करवा रहे जिम्मेदार लोग मौके से भाग छूटे।

हादसे के दौरान देवली से डिग्गी कल्याणजी के जा रही पदयात्रा में शामिल मुकेश पारासर, ममता, शिवा, राजू सहित अन्य पदयात्रियों ने कड़ी मशक्कत कर मलबे में दबे घायल श्रमिकों को निकाल 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल मोहम्मद नजर, यूसुफ, रईश, अनीश व फारूक निवासी बेटला यूपी को मालपुरा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायल को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया।

मीडियाकर्मियों द्वारा हल्का पटवारी अजय यादव से ली जानकारी में सामने आया कि खसरा नम्बर 429/3 जो कि गोपाल नायक, रमेश, पुष्पा, रामा, सीता, रामस्वरूप सभी जाति नायक निवासी अम्बापुरा व 1/30 हिस्सा पांचू रेगर का है जो कि राजस्व रिकॉर्ड में बारानी भूमि दर्ज है। ईंट भट्टा निर्माण से पूर्व उक्त भूमि को व्यवसायिक उपयोग के लिए कनर्वजन हेतु कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

निर्माणाधीन ईंट भट्टे की चिमनी गिरने के बाद घायलों का मालपुरा अस्पताल में उपचार कराया।

- राजस्व विभाग ने साधी चुप्पी

मौके पर मौजूद अम्बापुरा के ग्रामीणों ने बताया कि कृषि भूमि पर ईंट भट्टा निर्माण के लिए तकरीबन आधा दर्जन प्रभावशाली लोगों ने जमीन के खातेदारों से उक्त जमीन लगभग 15 लाख रूपये में लीज पर लेकर बिना सुरक्षा संसाधनों के घटिया निर्माण सामग्री से निर्माण कार्य करवा जा रहा था।

मौके पर सुरक्षा संसाधनों का अभाव सामने आया। बिना भूमि रूपान्तरण करवाये कृषि भूमि पर व्यवसायिक गतिविधि होने के बावजूद सम्बन्धित गिरदावर पटवारी यहां तक की राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं करना सवालों के घेरे में है ।

आयुर्विज्ञान परिषद ने श्रीगंगानगर मैडिकल कॉलेज को 100 सीटें स्वीकृत की

श्रीगंगानगर। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परिषद के द्वारा श्रीगंगानगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज मे सत्र 2022-23 के लिए एमबीबीएस की 100 सीटों के साथ शुरुआत की अनुमति प्रदान कर दी है। लोकसभा सांसद निहालचन्द ने संसदीय क्षेत्र को इसी वर्ष इस सौगात हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का धन्यवाद प्रेषित किया है।

इस सरकारी मेडिकल कॉलेज को भौतिक संसाधनों के गहन निरीक्षण व परीक्षण के बाद अनुमति दी गई है। लोकसभा सांसद निहालचंद ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति से लेकर मेडिकल की सीटों की स्वीकृति के लिए लम्बे समय से विभिन्न मंत्रालयों के सम्पर्क में रहे हैं। फिलहाल 100 सीटों के साथ इसकी शुरुआत इस सीमावर्ती क्षेत्र के लिये गौरव की बात है। इनमें से 15 सीट एनआरआई और 15 सीट आल इंडिया कोटे की हैं। एनआरआई सीट की फीस एक लाख डॉलर होगी। शेष 70 सीटों मे से 35 सीटें मैनेजमेंट की होंगी। इन सीटों पर जिनका दाखिला होगा, उन्हें 5 लाख रुपए सालाना फीस देनी होगी। शेष 35 सीट सरकारी होंगी, जिनकी फीस लगभग 50 हजार रुपए बताई गई है।

हर घर तिरंगा अभियान से खादी को जन-जन तक पहुंचाना है : प्रवीर कुमार

बीकानेर, (कासं)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 'हर घर तिरंगा' अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को श्रीगंगानगर रोड स्थित किसान भवन में खादी और ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के मण्डलीय कार्यालय में उप निदेशक प्रवीर कुमार की अध्यक्षता में जिले की खादी संस्थाओं एवं समितियों के पदाधिकारियों की मीटिंग आयोजित की गई।

सर्वप्रथम सहायक निदेशक द्वितीय (खादी) विरेन्द्र कुमार ने खादी संस्थाओं से आये प्रतिनिधियों का अभिनंदन एवं स्वागत किया। इस मौके पर उप निदेशक प्रवीर कुमार ने खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ कई मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। जिसके तहत खादी को बढ़ावा देते हुए हर घर तिरंगा अभियान से खादी को जन-जन तक पहुंचाना है। मीटिंग में लगभग 32 खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मीटिंग में एस.एस. कुम्बले, प्रदीप कुमार मीना, कैलाश नारायण मीना, श्रीकृष्ण व्यास, झंवरलाल पन्नू, आलम सिंह नेगी, सूरजरतन व्यास, गिरिधारी लाल कूकणा आदि उपस्थित थे। मीटिंग से पूर्व खादी और ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के मण्डलीय कार्यालय में उप निदेशक के पद पर कार्यभार ग्रहण करने पर प्रवीर कुमार का खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। प्रवीर कुमार ने गुरूवार को ही यहां खादी और ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के उप निदेशक का कार्यभार संभाला है।

खादी ग्रामोद्योग आयोग मण्डल कार्यालय में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर उप निदेशक प्रवीर कुमार की अध्यक्षता में जिले की खादी संस्थाओं के पदाधिकारियों की बैठक हुई।

हर घर तिरंगा बाइक रैली 13 को : आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान के पहले दिन 13 अगस्त को बाइक रैली का आयोजन किया जायेगा। संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन ने इस संबंध में शुक्रवार को जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल और पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक कर बाइक रैलीआयोजन के संबंध में चर्चा की।

संभागीय आयुक्त ने बताया कि 13 अगस्त को शहर के 5 अलग-अलग स्थानों से प्रात: 7.30 बजे बाइकर्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जायेगा। इस दौरान लक्ष्मीनाथ मंदिर, ग्रामीण हॉट, बीएसएफ कैम्पस, आरएसी कैम्पस और एमएम ग्राउंड से 100-100 बाइकर्स रैली में भाग लेंगे। बाइकर्स शहर के विभिन्न स्थानों से होते हुए डॉ. करणी सिंह स्टेडियम पहुंचेंगे जहां राष्ट्रगान के साथ बाइक रैली का समापन होगा। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि रैली में उच्च शिक्षा और स्कूलों शिक्षा विभाग, पुलिस और बीएसएफ के जवान हिस्सा लेंगे। डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में रैली की समस्त व्यवस्थाओं के लिए नगर विकास न्यास सचिव को प्रभारी बनाया गया है। बैठक में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ए. एच. गौरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

तिरंगा अभियान में होंगे कई कार्यक्रम : महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक मेघा रतन ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत 7 अगस्त को ग्राम पंचायतों में कन्या वाटिका के तहत पौधारोपण किया जायेगा। इसी श्रृंखला में 8 अगस्त को स्कूल और कॉलेजों में बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ शपथ, 9 को महिलाओं से संबंधित कानूनों की जानकारी आधारित कार्यक्रम, 10 को

- आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का आव्हान

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन विषय पर जाजम बैठकें, 11 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम पर राखी महोत्सव, 12 अगस्त को इस थीम पर बीटीएफ बैठकें, 13 को आत्मरक्षा प्रशिक्षण, 14 तिरंगा यात्रा रैली तथा 15 अगस्त को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जायेगा।

निशुल्क तिरंगे झंडे बांटे : झुंझुनूं जिले में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वाधीनता सप्ताह में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत चुणा चौक विकास समिति द्वारा शनिवार सुबह राणी सती रोड स्थित इंदिरा पार्क में योग करने वाले, पार्क में मॉर्निंग वॉक करने वाले, समिति के सदस्य एवं आस पडौस के व्यापारी सहित क्षेत्र में रहने वालों को समिति के मुख्य संरक्षक किशोरीलाल तुलस्यान के सौजन्य से निशुल्क झंडे लकड़ी लगे हुए वितरित किये गए। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष शिवचरण पुरोहित, संरक्षक किशोरीलाल तुलस्यान, कालूराम तुलस्यान, डॉ. डीएन तुलस्यान, अशोक तुलस्यान, शुभकरण चोपदार, रविशंकर पुरोहित, लक्ष्मीकांत, सुभाष पुरोहित, पूनम पुरोहित, विनोद पेंटर, नवलकिशोर खंडेलिया सहित समिति पदाधिकारी एवं सदस्य बडी संख्या में उपस्थित थे।

तिरंगा महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा की

बीकानेर, (कासं)। भारतीय जनता युवा मोर्चा बीकानेर शहर जिला अध्यक्ष वेद व्यास की अध्यक्षता में आजादी अमृत महोत्सव के दौरान हर घर तिरंगे अभियान के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा की बैठक हुई।

भाजपा जिला कार्यालय में हुई भाजयुमो जिला अध्यक्ष वेद व्यास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के 75 वर्ष अमृत महोत्सव 2 से 15 अगस्त तक अपनी सभी सोशल प्रोफाइल में तिरंगा लगाकर मनाने का हर देशवासियों से अपील की है। इसके तहत 13 से 15 अगस्त तक घर-घर तिरंगा फहराने की भी अपील की है। इस दौरान कार्यक्रम में ज्यादा प्रचार प्रसार एवं आमजन इस अमृत महोत्सव का हिस्सा बनें। इसके लिए जिला अध्यक्ष वेद व्यास ने बैठक में कहा कि बीकानेर शहर के सभी कॉलेजों, स्कूलों, कोचिंग सेंटरों, खेल एकेडमी, इंस्टीट्यूट में सभी कार्यकर्ताओं से संपर्क करने को कहा ताकि इस अमृत महोत्सव में सभी का योगदान लेकर इसको भव्य बनाया जा सके।

साथ ही युवा मोर्चा द्वारा कि 75 किलोमीटर मोटरसाइकिल यात्रा की जायेगी जो देशनोक से रवाना होकर कोडमदेसर की ओर प्रस्थान करेगी। जिलाध्यक्ष व्यास ने बताया कि बीकानेर शहर में सामूहिक राष्ट्रगान में तिरंगा यात्रा का भी आयोजन किया जायेगा। बैठक में महामंत्री सोहन सिंह परिहार, भाजपा नेता भवानी पाईवाल, उपाध्यक्ष कवि आचार्य, मंत्री गिरिराज खत्री, धीरज पंडित, गजेन्द्र सिंह, ऋषि पारीक, कोषासहध्यक्ष विकास तापडि़या, आईटी सेल संयोजक रोहिताश्व व्यास आदि मौजूद थे।

सार-समाचार

छात्रों से मुखातिब हुए सेना के जवान

बीकानेर, (कासं)। आर एस वी स्कूल के विद्यार्थियों से आज भारतीय सेना के जवान मुखातिब हुए। कार्यक्रम में आर एस वी के सीनियर सैकण्डरी विंग के कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अमृत महोत्सव का अर्थ समझाते हुए लेफ्टिनेंट विशाल गौरव ने वृत चित्र एवं विभिन्न उदाहरणों के द्वारा विद्यार्थियों को भारत की आजादी की संपूर्ण कहानी से अवगत करवाया। आजादी के बाद भारतीय सेना के शौर्य गाथाओं से भी विद्यार्थियों को रूबरू करवाया गया। पाकिस्तान विभाजन तथा बांग्लादेश का निर्माण, कारगिल का युद्ध विजय एवं चीन से युद्ध के बारे में विस्तार से बच्चों को जानकारी दी गई। सेना में काम करते समय सैनिकों के रोमांच तथा उनकी वीर गाथाओं से भी बालक-बालिकाओं को परिचित करवाया गया। विद्यार्थियों द्वारा सेना से संबंधित पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का भी जवाब दिया गया तथा सेना में किस प्रकार से ऑफिसर के पद पर सलेक्शन हो सकता है इसकी जानकारी भी दी गई। सैनिक की ही तरह प्रत्येक विद्यार्थी को अनुशासित एवं देश के प्रति समर्पित होना चाहिए। इसी संदर्भ में सैनिकों द्वारा ली जाने वाली शपथ नाम, नमक और निशान से भी विद्यार्थियों को परिचित करवाया गया। लेफ्टिनेंट विशाल गौरव को विद्यालय की ओर से नीरज श्रीवास्तव एवं लोकेश शर्मा ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के वाहनों पर 7 दिवस के अंदर जीपीएस सिस्टम लगाने होंगे ताकि जिले भर में टीमों द्वारा किए गए भ्रमण व स्वास्थ्य जांच की पुख्ता मॉनिटरिंग जिला स्तर से हो सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मोहम्मद अबरार पंवार ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन सभागार में अयोजित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों के पालनार्थ एक भी आरबीएसके वाहन बिना जीपीएस नहीं चलना चाहिए। आरसीएचओ डॉ राजेश कुमार गुप्ता द्वारा सभी 14 टीम को निर्देश दिए गए कि वे कार्यस्थल से प्रतिदिन फोटो जीपीएस लोकेशन के साथ डिस्ट्रिक्ट व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी टीमों के कार्य का आंकलन रैंकिंग अनुसार किया। डॉ विवेक गोस्वामी व अतिरिक्त जिला नोडल अधिकारी आरबीएसके डॉ मनु सिंह ने जीओआई सॉफ्टवेयर की ट्रेनिंग दी। डिप्टी सीएमएचओ परिवार कल्याण डॉ योगेंद्र तनेजा ने आरबीएसके टीमों को एनीमिया मुक्त राजस्थान एवं शक्ति दिवस में भागीदारी निभाने, डॉ लोकेश गुप्ता कुष्ठ रोगियों को चिन्हित करने तथा डीपीएम सुशील कुमार ने पुकार कार्यक्रम भागीदारी निभाने एवं निरीक्षण करने के निर्देश दिए। डॉ पंवार एवं डॉ राजेश गुप्ता ने आरबीएसके टीमों द्वारा बच्चों की अच्छी शल्य चिकित्सा करवाने हेतु डीईआईसी टीम एवं मैनेजर योगेश पवार एवं आरबीएसके टीम अर्बन के फार्मासिस्ट पवन सारस्वत के कार्य को सराहा एवं प्रोत्साहित किया

चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

बीकानेर, (कासं)। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 13 से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस श्रंखला में शनिवार को गंगा राजकीय संग्रहालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्टेपिंग स्टोन सीनियर सैकण्डरी स्कूल की छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अनुष्का सोनी प्रथम, गुंजन बिस्सा द्वितीय तथा लक्षिता सोनी तीसरे स्थान पर रही। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के निदेशक महेन्द्र कुमार निम्हल, विनीता आचार्य, राखी मोहता, भंवर सिंह भाटी, मंजूर खान, भंवर सिंह चौहान नानूराम, गोविंद, छगन आदि कार्मिक उपस्थित थे।

सुषमा बिस्सा का होगा स्वागत

बीकानेर, (कासं)। हिमालय परिवार के कार्यकारिणी के सदस्यों की मीटिंग सादुलगंज स्थित रजनी कालरा के कैफे में हुई। बैठक में हिमालय परिवार की अध्यक्षा व भाजपा की जिला उपाध्यक्ष व अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही सुषमा बिस्सा के बीकानेर आगमन पर जो लगभग 5 हजार किलोमीटर ट्रांस हिमालयन अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न करते हुए 8 अगस्त की शाम को ट्रेन द्वारा बीकानेर पहुंचने पर भव्य स्वागत किये जाने का निर्णय लिया गया। रेलवे स्टेशन से एक भव्य मोटरसाइकिल तिरंगा यात्रा अम्बेडकर सर्किल, तुलसी सर्कल, पब्लिक पार्क, केईएम रोड होती हुई जवाहर नगर तक जायेगी। जिसमें लगभग डेढ़ सौ मोटरसाइकिल तिरंगा लगाए हुए यात्रा में शामिल होंगे। बैठक में नरेश अग्रवाल, अभय पारीक, आर. के. शर्मा, बिहारी लाल, महेश पारीक, सुरेश गुप्ता, मुहर सिंह वर्मा, गोविंद शर्मा, रोहिताश्व बिस्सा, सरस्वती शर्मा, डॉ. सुधा शर्मा, सुशीला अग्रवाल व मंजू बोथरा सहित अन्य उपस्थित थे।

अपहरण कर युवक की हत्या, लापरवाही पर थानेदार लाइन हाजिर

बीकानेर, (कासं)। जिले के कालू गांव में जिस युवक की हत्या हुई थी, उसे पहले किडनेप किया गया। बाद में अंधेरा होने पर उसकी हत्या कर दी गई और शव को पुलिस थाने के पीछे फेंक दिया। अपहरण होने के साथ ही कालू पुलिस को घटनाक्रम के बारे में बताया गया लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई।

- अपहरण की सूचना के बाद भी पुलिस ने एक्शन नहीं लिया
- अंधेरे में हत्या कर शव थाने के पीछे फेंका

घटनाक्रम के बारे में आला अधिकारियों को पता चला तो कालू थानाधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया गया। गांव में चल रहा धरना समाप्त कर दिया गया है। शव का पोस्टमार्टम करवाकर शनिवार को परिजनों को सौंप दिया गया। घटनाक्रम ये है कि कालू थाना से तीन किलोमीटर दूर लूणकरनसर सड़क पर गुरूवार शाम 7 बजे खेत जाते समय 30 वर्षीय कालू निवासी ओमप्रकाश ज्याणी का कार सवार चार जनों ने अपहरण कर लिया था। इस आशय की सूचना कालू थाने को मिल गई थी। मोटरसाइकिल भी बरामद की गई लेकिन ओमप्रकाश को ढूंढकर बचाने का प्रयास नहीं हुआ।

इस बीच किडनेपर ने उसकी निर्मम हत्या कर शव थाना के पास ही सहजरासर रोड पर घर के सामने फेंक दिया। हत्या के काफी देर बाद पुलिस को सूचना मिली तब तक हमलावर फरार हो गए। युवक की हत्या कर शव पुलिस थाना से 300 मीटर दूर सहजरासर रोड पर फेंका गया। शुक्रवार को सुबह महिलाओं ने सड़क पर आदमी का शव पड़ा देखा। यह सूचना गांव में आग की तरह फैल गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी फिर भी देर से पुलिस के पहुंचने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ओमप्रकाश के परिवार व कस्बे के लोग धरने पर बैठ गए।

जहां आर. एल. पी. के प्रदेश मंत्री विजयपाल बेनीवाल, डॉ. विवेक माचरा, दौलतराम डोगीवाल, बाबूलाल लेघा, पंचायत समिति सदस्य महिपाल सिंह राठौड़, पूर्व सरपंच रामकुमार शर्मा, ओमप्रकाश गोदारा, राकेश मूंड भी धरने के समर्थन में बैठे। मृतक का शव देर शाम तक परिवार ने नहीं उठाया। पुलिस ने बताया कि हत्या में उपयोग होने की संभावना में पुलिस ने भादवां गांव से एक कार बरामद कर जब्त की है। पुलिस के अनुसार हत्या में चार-पांच लोग शामिल होने की संभावना है।

तकनीकी खामी से बजा बैंक का सायरन

नोखा, (कासं)। नेशनल हाईवे पर बाबा छोटूनाथ स्कूल के सामने स्थित डीसीबी बैंक का सायरन अचानक बजने से पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। सुबह करीब 9 बजे तक सायरन बजने के बाद कर्मचारियों द्वारा कनेक्शन काट कर बंद किया गया।

रात से बारिश का दौर बना हुआ है हल्की बारिश भी हुई। इसी बीच तकनीकी खामी के कारण डीसीबी बैंक का सायरन बजने लगा। जिससे किसी अनहोनी की घटना होने की आशंका होने लगी। स्थानीय लोगों की सूचना पर नोखा पुलिस के एएसआई शम्भूसिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने मौका मुआयना किया। बैंक के आगे किसी प्रकार के बैंक अधिकारियों के कॉन्टेक्ट नम्बर नहीं होने से काफी देर मशक्कत करनी पड़ी। 9 बजे बाद पहुंचे कर्मचारियों ने सायरन का कनेक्शन काटा। उसके बाद पुलिस और लोगों ने राहत की सांस ली।

जानलेवा हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

नोखा, (कासं)। जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात करने के दौरान काम में ली गई गाड़ी को भी जब्त कर लिया है।

- मारपीट व लूट की वारदात में काम में ली गई स्कार्पियो गाड़ी बरामद

थानाधिकारी ईश्वरप्रसाद जांगिड़ ने बताया कि 13 मार्च 2021 को मालाणी बास निवासी फूसाराम सारस्वत ने इस्तगासे से मुकदमा दर्ज करवाया था कि 08 मार्च 2021 को वह सीकर से नोखा आ रहा था। इस दौरान सोमलसर गोलाई तार फैक्ट्री के पास फोन आने पर गाड़ी साइड में लगाकर बात करने लगा। इस दौरान सफेद रंग की स्कॉर्पियो आकर उसके पास रूकी। जिसमें सवार से चार से पांच लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद सभी सोमलसर की तरफ भाग गए और जाते समय गले में सोने की चैन और जेब से रुपये छीनकर ले गए थे।

जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना स्तर पर गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी संसाधनों से वारदात का खुलासा किया। जिसमें कालानी नगर ढाड़िया जोधपुर निवासी सुनिल कुमार बिश्नोई, बजरंग बिश्नोई को जोधपुर से गिरफ्तार किया है और मारपीट की घटना में काम में ली स्कार्पियो गाड़ी को बरामद किया है। दोनों से नोखा पुलिस पुछताछ कर रही है। कार्रवाई में नोखा थानाधिकारी ईश्वरप्रसाद जांगिड़, एएसआई सोभाग्य सिंह, हैड कानि खेताराम, कानि आत्माराम, विक्रमसिंह, कैलाश, गणेश गुर्जर, साईबर सेल बीकानेर के दीपक यादव, दिलीप सिंह शामिल थे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 10 साल की सजा

हनुमानगढ़, (कासं)। पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश मदन गोपाल आर्य ने एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के आरोपी इकबाल सिंह को दोषी मानते हुए दस साल की सजा सुनाई। साथ ही एक लाख पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

- आरोपी ने फोन करके घर से बाहर बुलाया तथा जबरदस्ती बाइक पर बैठा अपने गांव संगरिया ले गया जहां दुष्कर्म किया

विशिष्ट लोक अभियोजक विनोद डूडी ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 12 अक्टूबर 2018 को खुंईया पुलिस थाना में मामला दर्ज करवाया था कि उसकी नाबालिग बेटी घर से लापता हो गई है। पुलिस ने पीड़िता को बरामद किया। पीड़िता ने अपने बयान में बताया था कि इकबाल सिंह ने उसे फोन करके घर से बाहर बुलाया तथा जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर अपने गांव संगरिया ले गया जहां उसके साथ चार-पांच दिन तक दुष्कर्म किया। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी इकबाल सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी नुकेरा तहसील संगरिया के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया था। कोर्ट ने आरोपी को दोषी मानते हुए विभिन्न धाराओं में अधिकतम दस साल की सजा सुनाई है।

भुवनेश्वर साध स्काउट संघ के सचिव बने

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड बीकानेर स्थानीय संघ में भुवनेश्वर साध सचिव मनोनीत किये गए हैं। शनिवार को त्यागी वाटिका स्थित स्थानीय संघ कार्यालय में आयोजित बैठक में साध को सर्व सम्मति से सचिव मनोनीत किया गया।

साध राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जसोलाई में अध्यापक है। उप प्रधान के. सी. सुथार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लीडर प्रशिक्षक देवानंद पुरोहित, निवर्तमान सचिव घनश्याम स्वामी, चेयरमैन पी. के. मित्तल, कोषाध्यक्ष शांति प्रसाद बिस्सा, रेंजर लीडर सुश्री धनवंती बिश्नोई, पंकज भटनागर, भंवरलाल प्रजापत, भवानी शंकर, चंचल चौधरी, संतोष रंगा सहित स्काउटर मौजूद थे।

मांगों पर काम शुरू, नोखा पालिकाध्यक्ष का अनशन खत्म

नोखा, (कासं)। नगर पालिका अध्यक्ष नारायण झंवर के नेतृत्व में नोखा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में पिछले लम्बे समय से आ रही विद्युत समस्याओं लेकर 10 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा आमरण अनशन समाप्त हो गया।

- प्रशासन व पालिका अध्यक्ष की सकारात्मक वार्ता हुई, 10 मांगों में से 9 पर काम शुरू

धरना स्थल पर तहसीलदार नरेन्द्र बापेड़िया, थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़, जोधपुर विद्युत वितरण निगम के अधिकारियों ने उपस्थित होकर सहमति एवं कार्य क्रियान्वयन पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि धरना स्थल पर जाकर धरनारत अध्यक्ष झंवर से वार्ता कर उनके द्वारा की गई 10 मांगों में से 9 मांगों पर कार्य शुरू कर दिया गया है। पत्र में बताया कि जिओ स्विच का कार्य आरंभ कर दिया गया है तथा 4 में जिओ स्विच लगा दिए गए है। पर्याप्त मात्रा में श्री फेस मीटर उपलब्ध करवा दिए है। कृषि कनेक्शन जो 31 मार्च 2020 से लंबित है उनमें से 182 कृषि कनेक्शन को 31 अगस्त तक ट्रांसफार्मर उपलब्ध कर दिए जायेंगे।

वार्ड वाइज समस्याओं का निगम की तरफ से सहायक अभियंता वितरण व सहायक राजस्व अधिकारी दीपक कुमार शर्मा तथा नगर पालिका द्वारा नामित वार्ड पार्षद कमेटी गठित कर दी गई है। जो प्रत्येक सप्ताह पर मंगलवार व बुधवार को बैठक कर वार्ड संबंधी सभी समस्याओं का निस्तारण करवा दिया जायेगा।

अधिकारियों को सौंप कर एक दर्जन समर्थकों के साथ आमरण अनशन पर बैठे थे। जिसके बाद जोधपुर विद्युत वितरण निगम हरकत में आया। जिसके बाद अधिकारियों ने पालिका नारायण झंवर व उनके समर्थकों ने वार्ता की। वार्ता के दौरान सवाईसिंह चरकड़ा, विकास मंच अध्यक्ष ललित झंवर, पूर्व पालिका अध्यक्ष सीताराम पंचारिया, बाबूलाल जैन, रामसिंह, घनश्याम बिश्नोई, मनोज डूडी, आशीष प्रताणी मौजूद थे।

बीकानेर जिले में 'नो बैग डे' पर विद्यार्थियों ने जाना अच्छे और बुरे स्पर्श में अंतर

बीकानेर, (कासं)। 'नो बैग डे' के अवसर पर शनिवार को जिले के 2 हजार 564 स्कूलों में गुड टच-बैड टच और माहवारी स्वच्छता प्रबंधन से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम हुए।

जिले में इस दौरान 2 लाख 42 हजार से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी रही। इन विद्यार्थियों को दोनों विषयों से जुड़ी फिल्में दिखाई गई। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम हुए तथा अच्छे और बुरे स्पर्श में अंतर बताया गया।

जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल की पहल पर जुलाई के पहले शनिवार से प्रारम्भ हुए अभियान के तहत लगातार छठे सप्ताह दोनों विषयों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। जिले के एक हजार मास्टर ट्रेनर्स ने बच्चों को दोनों विषयों की जानकारी दी। साथ ही चाइल्ड हैल्पलाइन 1098 के बारे में बताया। अभियान के तहत शनिवार को जिले के 782 निजी स्कूलों के 1 लाख 2 हजार 784 तथा 1 हजार 782 सरकारी स्कूलों के 1 लाख 40 हजार 48 विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. राजकुमार शर्मा ने बताया कि इनमें बीकानेर के 239 निजी और 252 सरकारी, खाजूवाला के 52 निजी और 296 सरकारी, श्रीकोलायत के 91 निजी और 481 सरकारी, लूणकरनसर के 77 निजी और 238 सरकारी, नोखा के 73 निजी और 92 सरकारी, पांचू के 59 निजी और 236 सरकारी एवं श्रीडूंगरगढ़ के 191 निजी एवं 187 सरकारी विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित हुए।

बीकानेर में स्कूलों में 'नो बैग डे' पर विद्यार्थियों को गुड टच बैड टच की जानकारी दी।

- जिले के एक हजार मास्टर ट्रेनर्स ने बच्चों को दोनों विषयों की जानकारी दी
- माहवारी स्वच्छता प्रबंधन विषय पर भी जानकारी दी गई

सीवरेज के रखरखाव संबंधी जानकारी दी

बीकानेर, (कासं)। गंगाशहर क्षेत्र में संचालित सीवरेज जागरूकता अभियान के अन्तर्गत खादी ग्रामोद्योग विकास समिति के कार्यालय में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद एवं खादी आन्दोलन के हजारी देवड़ा थे तथा अध्यक्षता वयोवृद्ध समाजसेवी आदूराम भाटी ने की। प्रारंभ में एसओटी टीम के सुनील लुणू ने सीवरेज के रखरखाव संबंधी उपयोगी जानकारी देते हुए बताया कि सीवरेज ढक्कन को किसी भी स्थिति में खोलना नहीं चाहिए। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए हजारी देवड़ा ने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों को विभागीय निर्देशानुसार सीवरेज के रखरखाव में सहयोग करना चाहिए तभी आने वाले समय में गंगाशहर क्षेत्र के नागरिकों को गंदगी और नालियों के ओवरफ्लो से निजात मिलेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आदूराम भाटी ने कहा कि हमारे घरों में सीवरेज के रखरखाव संबंधी उपयोगी जानकारी वाले पोस्टर एवं पम्पलेट वितरण किये जाने चाहिए और यह जिम्मेदारी हमारी होनी चाहिए। कार्यशाला में शिक्षाविद ओमप्रकाश सारस्वत, सुरेन्द्र सिंघल, टीकूराम मेघवंशी, संजय, एडवोकेट भीखाराम मेघवाल, अशोक कुमार देवड़ा, सुनील कुमार, हरखचंद, भूराराम, धर्मचंद, नत्थूराम एवं रामेश्वर लाल ने विचार व्यक्त किए।

सीवरेज के रखरखाव जागरूकता कार्यशाला को पूर्व पार्षद हजारी देवडा ने संबोधित किया।

विकिरणों के दुष्प्रभाव से बचाव के लिए पर्यावरण संरक्षण जरूरी : देवेन्द्र बिश्नोई

बीकानेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े राजकीय डूंगर महाविद्यालय में हिरोशिमा दिवस के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई।

प्राचार्य डॉ. जी. पी. सिंह ने बताया कि डूंगर कॉलेज के प्राणीशास्त्र विभाग एवं इंडियन सोसायटी फोर रेडिएशन बायोलॉजी के तत्वावधान में हिरोशिमा दिवस पर विकिरण के दुष्प्रभाव विषय पर यह संगोष्ठी आयोजित की गई। डॉ. सिंह ने अपने उद्बोधन में अपील की है कि विकिरण के दुष्प्रभाव हेतु मानव जाति स्वयं जिम्मेदार है। हमें विकिरण संसाधनों को सदुपयोग करना होगा।

मुख्य अतिथि भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र बिश्नोई ने अपने उद्बोधन में विकिरणों द्वारा उत्पन्न अत्यधिक तापमान से बचने के उपायों पर गहन अध्ययन की आवश्यकता जताई। बिश्नोई ने कहा कि निरंतर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से विकिरणों से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने कोरोना काल में सीटी स्कोर के महत्व पर ध्यानाकर्षण करते हुए सभी से अपील की है कि मानव सभ्यता को बचाये रखने के लिए विकिरण का सदुपयोग करना आवश्यक है। बिश्नोई ने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग को घातक बताते हुए गहरी चिंता प्रकट की। विशिष्ट अतिथि डॉ. शंकर जाखड़ ने कहा कि अनावश्यक रूप से विकिरणों से शरीर को उपचारित नहीं करना चाहिये। कैंसर के इलाज हेतु कीमोथैरेपी की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि यदि उचित मात्रा में विकिरण डोज दी जाए तो उसका उतना नकारातात्मक प्रभाव नहीं होता है।

सहायक निदेशक डॉ. राकेश हर्ष ने औषधीय पादपों द्वारा कैंसर से बचाव विषयक व्याख्यान प्रस्तुत किया। आयोजन सचिव डॉ. अर्चना पुरोहित ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र बिश्नोई एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. शंकर लाल जाखड़ थे। डॉ. अर्चना ने बताया कि शनिवार को आयोजित संगोष्ठी में कुल आठ अतिथि व्याख्यान हुए जिसमें पीबीएम अस्पताल महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. सुदेश अग्रवाल, आचार्य तुलसी कैंसर अस्पताल के डॉ. अदियामन, डूंगर कॉलेज की डॉ. अनिला पुरोहित, डॉ. अरूणा चक्रवर्ती, डॉ. मनीषा अग्रवाल, डॉ. नरेन्द्र भोजक, डॉ. अनामि भार्गव एवं राजूवास के डॉ. प्रवीण बिश्नोई ने विकिरणों के दुष्प्रभाव एवं उनसे बचाव विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।प्राणीशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष एवं विकिरण सोसायटी के सचिव डॉ. राजेन्द्र पुरोहित ने बताया कि सोसायटी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकिरण जागरूकता अभियान चलाती है। डॉ. पुरोहित ने जर्दा, गुटखा, बीड़ी सिगरेट के अत्यधिक सेवन से कैंसर रोग फैलने पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. पुरोहित ने कहा कि विकिरण एक ओर अभिशाप है तो दूसरी ओर वरदान भी है। इसका सदुपयोग किया जाना चाहिये। कार्यक्रम में डॉ. इन्द्र सिंह राजपुरोहित, डॉ. नरेन्द्र नाथ, डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव, डॉ. इन्द्रा बिश्नोई महाविद्यालयों के संकाय सदस्य मौजूद थे।

डूंगर कॉलेज बीकानेर में आयोजित विकिरण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को एसीबी के एसपी देवेन्द्र बिश्नोई ने संबोधित किया।

- डॉ. शंकर जाखड़ ने कीमोथैरेपी की महत्ता बताते हुए कहा कि यदि उचित मात्रा में विकिरण डोज दी जाए तो उसका उतना नकारातात्मक प्रभाव नहीं होता है
- डूंगर कॉलेज में विकिरण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

मेडिकल कॉलेज के लिए प्राचार्य नियुक्त

हनुमानगढ़, (कासं)। जंक्शन में श्रीगंगानगर-संगरिया बाइपास पर निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज को लेकर राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी जयपुर ने प्राचार्य नियुक्त कर दिया। कॉलेज प्राचार्य बीकानेर एसपी मेडिकल कॉलेज के सीनियर प्रो. (एनाटॉमी) डॉ. मोहनसिंह को लगाया गया है।

मेडिकल कॉलेज बिल्डिंग का निर्माण कार्य दिन-रात चल रहा है। नर्सिंग हॉस्टल की बिल्डिंग तैयार हो गई है जबकि बॉयज हॉस्टल में चौथी मंजिल एवं गर्ल्स हॉस्टल में सैकंड फ्लोर पर रूफ लेवल काम पूरा हो चुका है। जिले में यह पहली सरकारी बिल्डिंग होगी जिसमें 10 लिफ्ट लगाई जायेगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग के लक्ष्य के मुताबिक वर्ष 2023 में मेडिकल कॉलेज को 100 एमबीबीएस सीटों का बैच शुरू किया जाना है।

शनिवार को जयपुर में मेडिकल कॉलेज प्राचार्य और नोडल अधिकारियों की बैठक होगी। इसमें कॉलेज से संबंधित डॉक्यूमेंट जमा करवाए जायेंगे। वहं प्रोजेक्ट से संबंधित विषयों पर उच्चाधिकारियों से चर्चा के बाद आगामी प्रक्रिया शुरू की जायेगी। इसमें कॉलेज की सीटों का निर्धारण भी हो गया है। जिसमें पहले वर्ष 100 सीटों से कॉलेज शुरू किए जाना प्रस्तावित है। मेडिकल कॉलेज के मद्देनजर टाउन जिला अस्पताल में लेक्चर थिएटर बनाया जाना प्रस्तावित है।

सार-समाचार

विफा का डिजिटल अभियान आज से

बीकानेर, (कासं)। विप्र फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भंवर पुरोहित ने बताया कि डिजिटल बीकानेर अभियान का शुभारंभ समाज के प्रबुद्धजनों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं वार्डों के स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा 7 अगस्त को प्रात: 10:30 बजे, आयुष पब्कि स्कूल, सब्जी मंडी स्थित गोदाम के पास होने जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण को सफल बनाने के लिए तैयारियो को अंतिम रूप दिया। विफा जिलाध्यक्ष नारायण पारीक ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुशीला कंवर महापौर नगर निगम बीकानेर, कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, राजेन्द्र पंवार उप महापौर नगर निगम बीकानेर, ताराचन्द सारस्वत राष्ट्रीय संरक्षक, मधु आचार्य, राष्ट्रीय संरक्षक विफा, दीपक पारीक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रभारी जोन 1बी., सीए. सुधीश शर्मा, सरोज देवी पार्षद वार्ड 01, माणक लाल पार्षद वार्ड -19, वीरेन्द्र करल पार्षद वार्ड -20, कविता देवी पार्षद वार्ड -21, भंवर पुरोहित, प्रदेश अध्यक्ष विफा, आशा पारीक प्रदेशाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, यशोदा पारीक, जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सहित समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहेंगे। विफा युवा प्रकोष्ठ प्रदेश संगठन महामंत्री दिनेश ओझा ने बताया कि डिजिटल बीकानेर अभियान के अंतर्गत 'सर्वजातीय प्रत्येक नागरिक का प्रत्येक डॉक्यूमेंट हो कम्प्लीट' इसी सेवाभाव के साथ प्रथम चरण में वार्ड नं.1,19, 20, 21 के स्थानीय निवासी जो इन सरकारी आवश्यक कागजातों से वंचित है उनकी सहभागिता निभाएंगे। अभियान को सफल बनाने के लिए महामंत्री भवानीशंकर जाजड़ा, जिला शहर युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष एडवोकेट त्रिलोक नारायण पुरोहित, युवा महामंत्री अरविंद व्यास,मजदूर नेता रामस्वरूप हर्ष,जगदीश शर्मा, उपाध्यक्ष कैलाश सारस्वत ने तैयारियों को अंतिम रूप देकर अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी।

प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

बीकानेर, (कासं)। स्तनपान सप्ताह जो कि हर वर्ष 1 जुलाई से 7 जुलाई के बीच मनाया जाता है। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन शिशु रोग विभाग सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर एवं बीकानेर पीडियाट्रिक सोसायटी आईएपी बीकानेर ब्रांच द्वारा संयुक्त रूप से मनाया गया। इस कार्यक्रम में नर्सिंग छात्रों द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम रहे उषा द्वितीय चंचल और तृतीय पुरस्कार कमल कुमार को मिला। महिला नर्सिंग कर्मी द्वारा स्तनपान पर भाषण प्रतियोगिता में सुखजीत कौर प्रथम अनिता कुमारी को द्वितीय और कमला कुमारी को तृतीय पुरस्कार मिा। रेजिडेंट डॉक्टर्स का नवाचार करते हुए एक्सटेंपोर प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें विभिन्न प्रश्नों का सवाल जवाब प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें डॉ दिव्या महेश्वरी प्रथम, डॉ नवीन कुमार को द्वितीय और डॉ अमरु अबदुल्ला को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में डॉ पी. के. बेरवाल विभागाध्यक्ष शिशु रोग विभाग सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में डॉ रेनू अग्रवाल, डॉ कुलदीप सिंह बीठू, डॉ अनिल लाहोटी, डॉ ताराचंद सैनी, डॉ मदन गोपाल चौधरी, डॉ पवन डारा थे। कार्यक्रम में विभिन्न विजेताओं को डॉ मुकेश बेनीवाल ने पुरस्कार दिए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ अबरार पंवार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने विचार व्यक्त किए। डॉ राजेश गुप्ता आरसीएचओ एवं विभाग के विभिन्न रेजीडेंट चिकित्सक नर्सिंग कर्मियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन और विभिन्न प्रतियोगिताओं के नोडल अधिकारी डॉ सारिका स्वामी, प्रभारी नवजात शिशु चिकित्सा इकाई थी।

लूट के खुलासे पर इनाम

हनुमानगढ़, (कासं) टाउन में गत वर्ष 15 मार्च को मणप्पुरम गोल्ड लोन फाइनेंस बैंक में लूट का त्वरित खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी में अहम भूमिका निभाने पर पुलिस मुख्यालय ने 4 पुलिस कर्मियों को 11-11 हजार रुपए के नकद इनाम व प्रशंसा पत्र देने की घोषणा की है। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक एम. एल. लाठर ने आदेश जारी कर एसपी को यह रिवार्ड राशि संबंधित पुलिस कर्मियों को जिला पुलिस के पुरस्कार मद से देने के निर्देश दिए हैं। इसमें हैड कांस्टेबल राजकुमार सिहाग, पुरूषोत्तम पचार, नरेश बिश्नोई एवं राकेश रमाणा को नकद इनाम व प्रशंसा पत्र प्रदान किया जायेगा। यहां बता दें कि तत्कालीन थानाप्रभारी लक्ष्मणसिंह राठौड़ के कार्यकाल में मणप्पुरम गोल्ड लोन बैंक के कार्यवाहक मैनेजर संजय सिंह शेखावत ने ही लूट की यह साजिश रची थी जिसमें पुलिस ने 4888 ग्राम सोना के जेवरात, एक अवैध पिस्तौल मय 6 कारतूस, एक एयरगन, बाइक व नकदी बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

सिंगल यूज प्लास्टिक की एसयूपी एप पर होगी शिकायत दर्ज

हनुमानगढ़, (कासं)। सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी दीपक धनेतवाल की अध्यक्षता में वीसी का आयोजन किया गया। जिसमें नगरीय निकाय, पुलिस, रीको, राजस्व से जुड़े कार्मिकों को भारत सरकार की अधिसूचना 12 अगस्त की अनुपालना में 01 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगाये गए पूरी तरह से प्रतिबंधित को लेकर विस्तृत जानकारी दी।

क्षेत्रीय अधिकारी दीपक धनेतवाल ने बताया कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एसयूपी एप बनवाई गई है जिसमे आमजन के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। दर्ज शिकायतों को स्थानीय निकाय द्वारा 7 दिन के अंदर कार्रवाई करना अनिवार्य होगा। कार्रवाई नहीं करने पर उक्त शिकायत राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल को हस्तांतरित हो जायेगी।

ये ऐप रियल टाइम बेसिस पर कार्य करेगी। इसमें शिकायत को ट्रैक भी किया जा सकेगा। आरओ ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने की दिशा में राजस्थान सरकार द्वारा 20 जून से सभी सरकारी कार्यालयों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। इसके अतिरिक्त सभी सरकारी विभागों में बॉटल्स का उपयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। इसके अतिरिक्त राजस्थान में प्लास्टिक कैरी बैग पूरी तरह से प्रतिबंधित है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा जारी अनुमति पत्र की संख्या एवं कोड अंकित कंपोस्टेबल प्लास्टिक कैरी बैग ही अनुमत होंगे। उन्होंने बताया कि हनुमानगढ़ जिले में इसको प्रभावी बनाने के लिए जिला कलेक्टर द्वारा राजस्व विभाग,स्थानीय निकाय, पुलिस विभाग, प्रदूषण नियंत्रण मंडल की संयुक्त जांच दल का गठन किया जा रहा है जो कि पूरे जिले में औचक निरीक्षण करेंगे एवं दैनिक रिपोर्ट जिला कलेक्टर व राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल को निर्धारित प्रारूप में देना सुनिश्चित करेंगे।

हनुमानगढ़ में प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी दीपक धनेतवाल (बायें से पहले) ने बैठक को संबोधित किया।

झोलाछाप से पशुओं का उपचार न करवाएं

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में फैल रही लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए जिला कलेक्टर रुक्मणि रियार सियाग ने पशुपालकों से अपील की है कि इस रोग से पीड़ित पशुओं का उपचार झोलाछाप से ना करवाएं।

उन्होंने कहा है कि पशुपालन विभाग द्वारा जिले भर में लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। पशुपालक अपने प्रभावित पशुओं का उपचार पशुपालन विभाग से करवाएं। विभाग द्वारा जिले भर में लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा भी लम्पी स्किन डिजीज के संक्रमण को रोकने के लिए मॉनिटरिंग की जा रही है।

सभी उपखंड क्षेत्रों में नोडल अधिकारी बनाते हुए संक्रमित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से दूर रखने और मृत पशुओं का निस्तारण करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष उप निदेशक कार्यालय बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय श्रीगंगानगर में स्थापित किया गया है।

मंडल सभागार का ताला खोलने की मांग

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के व्यापार मण्डल समिति संगरिया के सभागार का ताला खुलवाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने विधायक गुरदीप शाहपीनी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

हनुमानगढ़ के व्यापार मण्डल समिति संगरिया के सभागार का ताला खुलवाने की मांग तेज होने लगी है। संगरिया विधायक गुरदीप शाहपीनी ने बताया कि संगरिया में व्यापार मण्डल समिति और फूडग्रेन व्यापार समिति नाम से दो संस्थाएं चल रही हैं। दोनों के अलग-अलग अध्यक्ष और कमेटियां हैं। संगरिया व्यापार मण्डल समिति कार्यालय में एक सभागार बना हुआ है। जो व्यापारियों सहित विभिन्न संगठनों के लिए सार्वजनिक तौर पर बैठक आदि करने के लिए काम में लिया जाता है। लेकिन पूर्व अध्यक्षों का व्यापार मण्डल समिति के कार्यालय पर कब्जा है।

उन्होंने कहा कि कार्यालय की चाबी मार्केट कमेटी सचिव को मिले ताकि दोनों संस्थाओं में से किसी को कार्यक्रम-बैठक करनी है तो मार्केट कमेटी सचिव को एक दिन पहले अवगत करवाकर चाबी ले सकें। विधायक ने बताया कि एफसीआई की ओर से की गई गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद के बाद दोनों संघों में विवाद बढ़ा है। आढ़त के चलते पिछले साल काफी विवाद हुआ था। इस कारण गेहूं का उठाव नहीं हो पाया था।

एफसीआई की ओर से काफी गड़बड़ी की गई। आढ़तियों की करीब सवा-डेढ़ करोड़ रुपये की आढ़त अभी भी बकाया है। उसके लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। संगरिया की फूडग्रेन व्यापार समिति के अध्यक्ष श्यामलाल सोमानी ने बताया कि पूर्व में संगरिया में व्यापार मण्डल नाम से एक संस्था थी। जब गेहूं का सीजन शुरू हुआ तो व्यापार मण्डल समिति अध्यक्ष ने व्यापारियों के साथ धोखाधड़ी की। तब व्यापारियों के दो संगठन बन गए। व्यापार मण्डल कार्यालय के साथ व्यापारियों ने अपने रुपयों से बैठक आदि के लिए हॉल का निर्माण करवाया।

- व्यापार मण्डल समिति के दो गुट बने हुए हैं

पालिका अफसरों के खिलाफ केस दर्ज

हनुमानगढ़, (कासं)। टाउन में आवारा गोधों की टक्कर से घायल होने के मामले में एक वकील ने नगर परिषद के जिम्मेवार प्रशासनिक अफसरों के खिलाफ शुक्रवार को केस दर्ज करवाया।

घटना गत 4 जून की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एडवोकेट महेन्द्र सिंह सिरकीवाला निवासी वार्ड 25 टाउन ने पुलिस को एफआईआर में बताया कि वह गत 4 जून की शाम 7 बजे अपने घर से सब्जी मंडी की तरफ जा रहा था तभी सुभाष चौक से थोड़ा आगे शिवप्रताप के मकान के पास 3-4 गोधे भागते हुए आए और उसमें एक ने सींग से टक्कर मारते हुए नीचे गिरा दिया। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने उसके पुत्रों को सूचित किया तो वह दोनों मौके पर पहुंचे और अस्पताल ले गए। उपचार के दौरान पता चला कि उसकी रीढ की हड्डी एल-1 व एक हाथ में फैक्चर आया है।

- आवारा गोधों की टक्कर से रीढ़ की हड्डी और हाथ में फैक्चर, घायल वकील ने केस दर्ज कराया

सहजन के बारह सौ पौधे तैयार

बीकानेर, (कासं)। जिले में चल रहे शक्ति अभियान के 'एक पौधा सुपोषित बेटी के नाम' घटक के तहत महिला अधिकारिता विभाग की श्रीडूंगरगढ़ में कार्यरत महिला पर्यवेक्षक माया बिश्नोई ने अपने स्तर पर सहजन फली के बारह सौ पौधे तैयार करवाए हैं।

बिश्नोई ने बताया कि अभियान से प्रेरित होकर उन्होंने वन विभाग की नर्सरी को सहजन के बीज उपलब्ध करवाए तथा नर्सरी में इनका नियमित पर्यवेक्षण किया। उन्होंने साथिनों को भी इसके लिए प्रेरित किया। जिसकी बदौलत श्रीडूंगरगढ़ में सहजन फली के लगभग तीन हजार पौधे तैयार हो गए हैं। इन्हें नवजात बेटियों के परिजनों को भेंट किया जायेगा।

द्वेषतापूर्ण काम कर रही है राज्य सरकार : रामलाल शर्मा

हनुमानगढ़, (कासं)। राज्य सरकार द्वेषतापूर्ण काम कर रही है। अधिकारियों की ओर से तुष्टिकरण की नीति अपनाई जा रही है। हकदार हैं उन्हें सम्मान और जो गुनहगार है उन्हें सजा नहीं मिल रही। ये बात भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और चौमूं विधायक रामलाल शर्मा ने हनुमानगढ़ आगमन पर जिला मुख्यालय स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कही।

रामलाल शर्मा ने कहा कि गुनाहगारों को सम्मानित करने का काम किया जा रहा है, जो हकदार हैं उन्हें सम्मानित करने की जगह प्रताड़ित करने का काम प्रदेश सरकार कर रही है। शर्मा ने कहा कि हनुमानगढ़ जिले में नहरों की समस्या प्रमुख समस्या है, लेकिन इस तरफ सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही। भाजपा के समय जो प्रोजेक्ट आए थे, जिनका शिलान्यास हो चुका था। आज वे अधूरे पड़े हैं। उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

रामलाल शर्मा ने कहा कि सरकार बार-बार कह रही है कि हम वेलफेयर की योजनाएं लेकर आए हैं, लेकिन सरकार की वेलफेयर की योजनाएं धरातल पर नजर नहीं आ रही। निर्माण श्रमिक व बेरोजगार युवाओं को भत्ता देने की योजना दम तोड़ चुकी है।

- रामलाल ने कहा कि जो हकदार हैं उन्हें सम्मानित करने की जगह प्रताड़ित करने का काम कर रही है सरकार

बीटी कपास फसल में गुलाबी सुण्डी के नियंत्रण की जानकारी दी

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में बीटी कपास फसल में गुलाबी सुण्डी एवं रस चूसक कीटों का प्रकोप के मद्देनजर कृषि विभाग के राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा सीमावृति क्षेत्र में बीटी कपास की फसल का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण दल में डॉ. सुवालाल जाट, संयुक्त निदेशक कृषि (पौध संरक्षण) कृषि आयुक्तायल राजस्थान जयपुर, डॉ. जी.आर. मटोरिया, संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) खण्ड श्रीगंगानगर, डॉ. रूपसिंह मीना, सहायक प्राध्यापक (कीट विज्ञान), डॉ. प्रदीप सहायक प्राध्यापक (पौध व्याधि) कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर महावीर प्रसाद छींपा, कृषि अधिकारी (पौ. सं), सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षक कार्यालय सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) सादुलशहर, डॉ. रमेश चन्द्र बराला, सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) श्रीगंगानगर शामिल थे। निरीक्षण दल द्वारा पंजाब राज्य के सीमावृति क्षेत्र सादुलशहर तहसील के चक 13 केएसडी, 15 केएसडी, नुरपुरा, अलीपुरा, गदरखेड़ा, चमारखेड़ा, पतली, 29 केएसडी, चकबादल, बनवाली, गणेशेवाला, श्रीगंगानगर तहसील के क्षेत्र साधुवाली, 1 वाई, कालियां, खाटलबाना, फतूही, ओडकी, सुजावलपुर, कोठा, पक्की, खखां, हिन्दुमलकोट, कोनी, मदेरां, मोहनपुरा आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। डॉ. मटोरिया ने बताया कि निरीक्षण के दौरान बीटी कपास के खेतों में रस चूसने वाले कीटों में सफेद मक्खी, हरातेला, थ्रीप्स का प्रकोप देखा गया है। रस चूसक कीट मुख्यतया सफेद मक्खी का प्रकोप कोठा, पक्की, खखां, हिन्दुमलकोट क्षेत्रों में आर्थिक हानि स्तर तक पाया गया। साथ ही लीफकर्ल वायरस के भी लक्षण बीटी कपास में देखे गये। गुलाबी सुण्डी का प्रकोप नगण्य पाया गया।

गंगानगर में बीटी कपास फसल में गुलाबी सुण्डी व कीडे के प्रकोप पर कृषि विभाग के निरीक्षण दल ने खेतों का निरीक्षण किया।

- बीटी कपास के खेतों में रस चूसने वाले कीटों में सफेद मक्खी, हरातेला, थ्रीप्स का प्रकोप देखा गया

निरीक्षण दल द्वारा कृषकों को बीटी कपास का नियमित रूप से बारीकी से निरीक्षण कर प्रभावी नियंत्राण करने की जानकारी दी गई। सफेद मक्खी कीट की पहचान कैसे कर सफेद मक्खी तेज उड़ने वाला, पीले शरीर और सफेद पंख का कीट है। छोटा एवं हल्का होने के कारण यह कीट हवा द्वारा आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर चला जाता है। इस कीट की प्रौढ़ मादा अपने जीवन काल में 100-125 अण्डे देती है।

रक्षा बंधन सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर : बी. के. कमल

बीकानेर, (कासं)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र सार्दुलगंज व सेवा केन्द्र रानीसर का शनिवार को रक्षा बंधन पर्व सप्ताह शुरू हुआ। सप्ताह 11 अगस्त तक चलेगा।

क्षेत्रीय केन्द्र में मुख्य कार्यक्रम 11 अगस्त को रक्षाबंधन दिवस पर होगा। सप्ताह के दौरान विभिन्न संस्थाओं, प्रतिष्ठानों में सेवारत व शिक्षारत बंधुओं के मुंह मीठा करवाकर राखी का पवित्र धागा बांधा जायेगा तथा शुभ संकल्प करवाया जायेगा।

सार्दुलगंज स्थित क्षेत्रीय केन्द्र प्रभारी बी. के. कमल ने शनिवार को मंगल भावना व संदेश के साथ रक्षाबंधन सप्ताह की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन का पर्व आदि सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। रक्षा बंधन पर्व, मानव जीवन में दिव्य संस्कारों को उदित करता है। यह जीवन में उच्च संस्कार, प्रेम, एकता, सहयोग और भातत्व की भावना का संचार करता है। हमें रक्षाबंधन के पर्व के मूल मर्म को समझकर इसके संदेशों व सद्गुणों को अपने जीवन में स्थापित करना है।

अपने अंदर की कमजोरियों को समाप्त करना है तथा श्रेष्ठ चरित्र को कायम रखना है। सप्ताह के प्रथम दिन बी. के. रजनी व मीना ने ने अंध व मूक बधिर विद्यालय में बच्चों व उनकी सेवा करने वाले कार्मिकों के भाल पर कुमकुम का तिलक कर, मुंह मीठा करवाया। कलाई पर ज्योति स्वरूप राखी बांधी तथा शुभ संकल्प करवाया और अध्यात्मिक संदेश सुनाया।

बीकानेर में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से रक्षा सूत्र बांध कर रक्षा बंधन सप्ताह की शुरूआत की।

एसएमएस अस्पताल से अपहृत मासूम दिव्यांश सकुशल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

आरोपी हेमेन्द्र के घर में 4 बेटियां थी, बेटे की चाहत में उसने 1 माह तक रैकी के बाद 4 महीने के दिव्यांश को चुराया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल के बांगड़ यूनिट से चोरी किए गए 4 महीने के मासूम बच्चे को जयपुर पुलिस ने सकुशल दस्तयाब कर लिया है। 3 दिन बाद पुलिस ने बच्चे को शिप्रा पथ इलाके के रीको इंडस्ट्रियल एरिया की पवन विहार कॉलोनी से दस्तयाब किया है। बच्चे को किडनैप करने वाले आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र निवासी नदबई (भरतपुर) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हेमेंद्र के घर में 4 बेटियां थी, और बेटा नहीं था। ऐसे में बेटे की चाहत में हेमेंद्र ने करीब 1 महीने तक रैकी करने के बाद 4 महीने के दिव्यांश को सवाई मानसिंह अस्पताल से चुरा लिया।

पुलिस ने मासूम के अपहर्ता हेमेन्द्र को गिरफ्तार कर बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

- महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह ने मुखबिर की मदद से दिव्यांश का पता लगाया, सूचना पुख्ता होते ही आरोपी को दबोच लिया
- 6 माह से बच्चे के अपहरण की योजना बना रहा था आरोपी, सिंधी कैंप बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भी कोशिश की, लेकिन सफल न हो सका
- पुलिस इस पूरे प्रकरण में आरोपी हेमेंद्र के परिवार की भूमिका भी जांच रही है, ऐसे में बाकी लोगों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अजयपाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी ने वारदात को अंजाम को अंजाम देने के लिए कई दिन तक दिव्यांश के परिजनों की मदद की और उन्हें विश्वास में लिया। चार दिन पहले बांगड़ अस्पताल में मौका देख कर वह बच्चे का किडनैप कर फरार हो गया। 3 दिन तक आरोपी ने इस बच्चे को अपने घर पर छुपाए रखा। अचानक से महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जयपुर शहर के अस्पताल से गायब हुआ 4 महीने का मासूम दिव्यांश शिप्रापथ के रीको इंडस्ट्रियल एरिया के पवन विहार कॉलोनी में एक मकान में देखा गया है। सूचना पर कांस्टेबल भीम सिंह खुद अकेला कॉलोनी में पहुंचा और आरोपी के बारे में सूचना जुटाना शुरू कर दिया। सूचना पुख्ता हो जाने के बाद कांस्टेबल भीम सिंह ने महेश नगर थाने की मदद से आरोपी को बच्चे के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। जब वह आरोपी के घर पर पहुंचा तो बच्चा सकुशल उसके परिजनों की गोद में खेल रहा था।

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र पिछले 6 महीने से अपने लिए एक बच्चे की किडनैपिंग करने की योजना बना रहा था। उसे बच्चे की चाहत थी। ऐसे में सिंधी कैंप, रेलवे स्टेशन पर भी आरोपी ने बच्चा किडनैप करने की योजना भी बनाई थी। लेकिन इस योजना में आरोपी फेल हो गया। मौका देख कर आरोपी सवाई मानसिंह अस्पताल से ये बच्चा चोरी करने में कामयाब हो गया। हालांकि इस पूरे प्रकरण में हेमेंद्र के परिवार की भूमिका को लेकर भी पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। किडनैपिंग के इस प्रकरण में परिवार की भूमिका पाए जाने पर अन्य लोगों को भी पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। पुलिस ने बच्चे को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। उधर बच्चे के मिलने की सूचना मिलने पर परिवार दौसा से जयपुर पहुंचा। बच्चे के दादा कालू, दादी सहित अन्य परिवारजन कमिश्नरेट पहुंचे। पुलिस ने बच्चे को परिवार को सुपूर्द कर दिया। जिसके बाद परिवार खुश नजर आया। बच्चे को पाकर परिजनों की आंखें खुशी से भीग गई।

एडि. कमिश्नर (फर्स्ट) अजय पाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी हेमेंद्र उर्फ राजू (29) मूलत: नदबई, भरतपुर का रहने वाला है। वह मानसरोवर इलाके में किराए से रहकर दिहाड़ी मजदूरी के लिए रोज मानसरोवर वीटी रोड चौराहे पर जाता था। पिछले चार दिन से वह चौराहे पर नहीं आ रहा था। बच्चा चोरी करने के बाद वह किसी से मिल भी नहीं रहा था।

हॉस्पिटल से बच्चा चोरी के बाद आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। तलाश के लिए आमजन को बच्चा चोर का हुलिया जारी किया गया। हुलिए के आधार पर पुलिस को आरोपी राजू के बारे में पता चला। पुलिस ने शनिवार सुबह राजू के मोबाइल नंबर वीटी रोड चौराहे पर खड़े होने वाले उसके साथियों से लिया था। कॉन्टैक्ट करने पर राजू ने खुद को गांव में होने की जानकारी दी। पुलिस ने लोकेशन निकलवाई तो वह जयपुर की आई। राजू के घर पुलिस ने शनिवार शाम करीब 4 बजे दबिश दी। घर में दिव्यांश उसकी मां-पत्नी की गोद में खेलता मिला। राजू और बच्चे को पुलिस थाने ले आई। जांच में सामने आया है कि आरोपी के परिवार में बच्चे की जरूरत थी। इसके चलते उसने एसएमएस हॉस्पिटल से बच्चा दिव्यांश चुराया था।

ज्ञात रहे कि दरअसल, दौसा के कालूराम ने पोते आयुष को 24 जुलाई बांगड हॉस्पिटल को भर्ती करवाया था। उसकी रीढ़ की हड्डी में परेशानी है। इस दौरान मदद के बहाने आरोपी भी कालूराम के साथ हो गया। वो उन्हें खाना लाकर देता था, अस्पताल में दवाई लाना और अन्य काम में मदद करने लगा। बच्चे के दादा-दादी को कॉन्फिडेंस में लिया। बुधवार को खाना खाने के दौरान दादा ने 4 माह के दिव्यांश को आरोपी को दे दिया। इसी का फायदा उठा फरार हो गया।

28 साल तक शिक्षक ने नौकरी की, अब सरकार ने चयन ही अवैध माना

- याचिका में कहा कि विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया
- सेवानिवृत्ति के बाद उसे पेंशन परिलाभ नही दिये गये तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की
- अदालत ने बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होने के आदेश दिये

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक की सेवानिवृत्ति के बाद उसके चयन को अवैध मानने पर बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को तीस अगस्त को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश रामस्वरूप शर्मा की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति 24 अप्रैल, 1990 को बीकानेर जिला परिषद में हुई थी। विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया। वहीं जून, 2018 को वह जयपुर के दूदू से सेवानिवृत्त हो गया। जब उसे पेंशन परिलाभ नहीं दिए गए तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की। इस पर सुनवाई करते हुए गत दिनों अदालत ने विभाग से जवाब मांगा था। इसके जवाब में विभाग ने कहा कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति पूर्ण रूप से अस्थाई तौर पर हुई थी। शिक्षक ने अप्रैल 199 को जिला स्थापना समिति को अध्यापक चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन संवीक्षा रिपोर्ट पर प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं होने तक उसकी बीएसटीसी की डिग्री की जांच रिपोर्ट नहीं होने के कारण उसका चयन नहीं किया गया। वहीं बाद में उसका तबादला बीकानेर से जयपुर में हो गया। ऐसे में रिकॉर्ड के अभाव में आगे की कार्रवाई नहीं हो पाई। इसके अलावा जयपुर से इस संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं आने के कारण जिला स्थापना समिति, बीकानेर द्वारा चयन की कार्रवाई नहीं की गई। जवाब में यह भी कहा गया कि याचिका दायर करने के बाद विभाग ने याचिकाकर्ता के डिप्लोमा की जांच के लिए कमेटी गठित की। कमेटी को संबंधित संस्था ने बताया कि प्रयागराज हाईकोर्ट के वर्ष 2004 के आदेश पर संस्था का रिकॉर्ड सीज होने के कारण याचिकाकर्ता की अंकतालिका का सत्यापन नहीं हो पाएगा। वहीं कमेटी को राष्ट्रीय पत्राचार संस्थान, कानपुर की रजिस्ट्रार गीता मिश्रा ने बताया कि संस्थान ने याचिकाकर्ता को उपाधि नहीं दी है।

ऐसे में जिला स्थापना समिति ने गत दो अगस्त को याचिकाकर्ता के प्राइमरी टीचर प्रमाण पत्र को वैध नहीं मानते हुए उनका स्थायीकरण नही करने का निर्णय लिया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होकर जवाब देने को कहा है।

पहले से काम कर रहे अधिकारी को राहत दी हाईकोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। जल संसाधन विभाग में खंडीय लेखाकार के पद पर प्रयागराज से प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी ने पद ग्रहण कर लिया, लेकिन राज्य सरकार ने इस पद पर पहले से ही काम कर रहे अधिकारी का तबादला नहीं किया। मामला हाईकोर्ट में आने पर अदालत ने अब पहले से काम कर रहे अधिकारी को पद पर बने रहने के आदेश दिए हैं।

इसके साथ ही अदालत ने निदेशक राजकोष और महालेखाकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश यशवंत सिंह की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता भावना चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अधिशासी अभियंता जल संसाधन, सीकर में खंडीय लेखाकार के रिक्त पद का काम देख रहा है।

कार्यालय महालेखाकार राजस्थान ने गत 2 फरवरी को एजी कार्यालय प्रयागराज के अधीन अलीगढ़ में पदस्थापित भरत सिंह को याचिकाकर्ता के पद पर प्रतिनियुक्ति दे दी।

वहीं याचिकाकर्ता का दूसरी जगह तबादला भी नहीं किया। इस संबंध में जल संसाधन विभाग ने निदेशक लेखाकार को पत्र लिखकर याचिकाकर्ता के संबंध में मार्गदर्शन भी मांगा था।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के पद पर अन्य अधिकारी की प्रतिनियुक्ति दर्शाती है कि महालेखाकार कार्यालय ने बिना दिमाग लगाए मशीनी अंदाज में आदेश पारित किया है, जो नियम विरूद्ध है।

कांग्रेस ने बनाई तीन सदस्यीय कमेटी

जयपुर, (का.प्र.)। जालौर जिले में आश्रम के रास्ते को लेकर हुए विवाद के बाद एक संत की आत्महत्या के मामले में प्रदेश कांग्रेस की ओर से कमेटी बनाई गई है जो इस पूरे मामले की जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को पेश करेगी। कमेटी में मंत्री रामलाल जाट, अर्जुनसिंह बामनिया और भूराराम सिरवी सचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी को शामिल किया गया है।

कांग्रेस का कहना है कि जालौर जिले के भीनमाल से भाजपा विधायक पूराराम चौधरी की ओर से जालौर जिले के जसवंतपुरा क्षेत्र के बाल हनुमान आश्रम के संत रविनाथ को परेशान किया गया। इस कारण संत रविनाथ को आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा।

गुजरात की तीन विधानसभाओं में कांग्रेसजनों से चर्चा की भाया ने

जयपुर, (का.प्र.)। आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए राजस्थान कांग्रेस के कई मंत्री और विधायकों सहित अन्य नेताओं को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारियां दी गई हैं। इन्हीं जिम्मेदारियों के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया को गुजरात राज्य की तीन विधानसभाओं का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जिम्मेदारी मिलने के बाद मंत्री भाया ने गुजरात पहुंचकर तीन विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनों की बैठक ली।

मंत्री भाया द्वारा गुजरात पहुंचकर उनके प्रभार वाली राजकोट शहर के तीन विधानसभा क्षेत्र राजकोट ईस्ट (68), राजकोट वेस्ट (69) एवं राजकोट साउथ (70) के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर राय-मशविरा किया गया। मंत्री प्रमोद जैन भाया के साथ बारां-अटरू विधायक पानाचंद मेघवाल भी गुजरात राज्य के राजकोट शहर की इन तीनों विधानसभाओं की कमाल संभाल रहे है।

मंत्री प्रमोद जैन भाया तथा विधायक पानाचंद मेघवाल गुजरात की राजकोट शहर विधानसभा की तीनों सीटों से आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए चुनावी रणनीति बनाने में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।

सराफ ने किया वृक्षारोपण

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 133 वसुंधरा कॉलोनी में वृक्षारोपण किया। सराफ ने स्थानीय लोगों के साथ शीशम, आम, गुलमोहर एवं अशोक के पेड़ लगाये। सराफ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति एक पेड़ जरूर लगाएं और एक साल तक उसकी देखभाल करें फिर वही पेड़ जीवन भर आपको ऑक्सीजन देगा। स्थानीय पार्षद रमेश सैनी ने बताया कि सभी लोगों ने संकल्प लिया कि पेड़ लगाएंगे और उसकी देखभाल जरूर करेंगे।

लम्पी स्किन बीमारी को जल्द नियंत्रित करने के लिए केन्द्र हर संभव मदद करेगा : रूपाला

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय पशुपालन मंत्री पुरूषोतम रूपाला ने कहा कि मवेशियों में फैल रही लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर गंभीर प्रयास कर रही है और जल्द ही इसे नियंत्रित करने में सफल होंगे। उन्होंने बीमारी से बचाव के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों को संतोषजनक बताते हुए केन्द्र से हर संभव मदद करने के लिए आश्वस्त किया। रूपाला शनिवार को यहां शासन सचिवालय में राज्य सरकार के मंत्रियों तथा विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज की स्थिति एवं रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा कर रहे थे।

केन्द्रीय पशुपालन मंत्री ने कहा कि इस वायरस जनित बीमारी को फैलने से रोकने के लिए पूरी क्षमता के साथ प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो पशु इससे सक्रंमित हो गए हैं, उन्हें स्वस्थ पशुओं से अलग रखें और स्वस्थ पशुओं का वेक्सीनेशन कराएं। इसके लिए डेडिकेटेड आइसोलेशन सेंटर भी बनाए जाएं, ताकि संक्रमण रोकने में मदद मिले और चिकित्सा एवं देखभाल करना आसान हो। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचने के लिए गोट पॉक्स वेक्सीन पूरी तरह कारगर है। अति प्रभावित क्षेत्र में 3 एम.एल. के डोज का उपयोग करें और कम प्रभावित एवं अप्रभावित क्षेत्र के पशुओं को 1 एम.एल. का डोज लगाएं। केन्द्रीय मंत्री रूपाला ने वेक्सीन एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ प्राथमिकता से फंड देने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एस.डी.आर.एफ. का तुरंत प्रभाव से उपयोग करना शुरू करें और केन्द्र सरकार से जहां अनुमति की आवश्यकता हो तो शीघ्र प्रस्ताव बनाकर भिजवाएं। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी मांगों का गंभीरता से आंकलन कर मदद की जाएगी।

पुरुष फोर्स लॉन बॉल में भारत को मिला रजत

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पुरुष फोर्स लॉन बॉल टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को फाइनल में नॉर्थर्न आइलैंड से हारने के बाद रजत से संतोष किया। नॉर्थर्न आइलैंड ने भारत को 15-8 से मात देकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम मैच के ज्यादातर हिस्से में मुकाबले से बाहर नज़र आयी, जबकि नॉर्थर्न आइलैंड ने एक के बाद एक पॉइंट स्कोर किया।

यह बर्मिंघम 2022 के लॉन बॉल आयोजन में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले भारतीय महिला फोर्स लॉन बोल टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया था। भारत अब तक राष्ट्रमंडल खेल 2022 में नौ स्वर्ण, 10 रजत और नौ कांस्य सहित 28 पदक जीत चुका है।

पूजा गहलोत ने महिला 50 किग्रा में जीता कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पहलवान पूजा गहलोत ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को स्कॉटलैंड की क्रिस्टेल लेमोफेक को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। पूजा ने कांस्य पदक मैच में स्कॉटलैंड की पहलवान को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात दी। क्रिस्टेल ने मैच की शुरुआत में पूजा को टेकडाउन कर दो अंक हासिल कर लिये थे, लेकिन पूजा ने बिना समय व्यर्थ किये 12 पॉइंट हासिल किये, जिसके बाद उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर विजेता घोषित कर दिया गया।

दिव्या और मोहित ने जीते कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। दिव्या काकरान (महिला 68) और मोहित ग्रेवाल (पुरुष 125) ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीत लिए हैं। दिव्या काकरान ने शुक्रवार को टोंगा की टाइगर लिली लेमाली को मात देकर कांस्य पदक जीता। दिव्या ने कांस्य पदक मैच में टाइगर लिली को हराने के लिये सिर्फ 26 सेकंड का समय लिया। दिल्ली स्टेट चैंपियनशिप में 60 पदक जीत चुकी दिव्या ने मैच शुरू होते ही टाइगर लिली को अपनी गिरफ्त में कस लिया और उन्हें चित्त (विन बाई फॉल) करके मुकाबला जीता। मोहित ग्रेवाल ने 125 किग्रा के कांस्य पदक मैच में जमैका के आरोन जॉनसन को चित्त करके कांस्य पदक प्राप्त किया। भारत बर्मिंघम 2022 में अब तक 27 पदक जीत चुका है, जिसमें से छह पदक कुश्ती से आये हैं। साथ ही भारत नौ स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है।

इंग्लैंड पर रोमांचक जीत से भारत महिला क्रिकेट के फाइनल में

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड को शनिवार को रोमांचक सेमीफाइनल में चार रन से हराकर महिला क्रिकेट के फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने स्मृति मंधाना (61) और जेमीमाह रॉड्रिगेज़ (44) की पारियों की बदौलत पांच विकेट पर 164 रन बनाये और फिर इंग्लैंड की चुनौती को 20 ओवर में छह विकेट पर 160 रन पर रोक लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति ने भारत को मज़बूत शुरुआत दिलायी। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 64 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 76 रन पर शफाली वर्मा के रूप में गिरा जिन्होंने 17 गेंदों पर 15 रन बनाये। इसके फौरन बाद ही स्मृति भी 32 गेंदों पर 61 रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (20) के आउट होने के बाद पारी की कमान जेमीमाह और दीप्ति शर्मा ने संभाली। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिये 38 गेंदों पर 53 रन जोड़े। दीप्ति 20 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत 22 रन बनाकर आउट हो गयीं, जबकि रॉड्रिगेज़ ने 31 गेंदों पर सात चौके लगाकर 44 रन की नाबाद पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से फ्रेया केंप ने दो विकेट लिये जबकि कैथरीन ब्रंट और कप्तान नैटली सिवर ने एक-एक विकेट लिया।

आख़िरी ओवर में इंग्लैंड को छह गेंदों में 14 रन बनाने थे। आख़िरी ओवर में भारतीय टीम सिर्फ़ तीन फ़ील्डर ही बाहर रख सकती थी क्योंकि धीमें ओवर रेट के कारण उन्हें पेनल्टी मिली थी। स्नेह राणा ने इस ओवर की तीसरी गेंद पर कैथरीन ब्रैंट को कप्तान हरमनप्रीत के हाथों कैच कराकर भारत की जीत का रास्ता खोल दिया। सोफ़ी एकलस्टन ने आखिरी गेंद पर छक्का मारा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इस जीत से झूम उठी भारतीय टीम। एक सपना जो उन्होंने देखा था इस टूर्नामेंट से पहले, अब वो उसके काफ़ी क़रीब पहुंच चुकी हैं। आज भारतीय टीम ने जिस तरीक़े से शुरुआत की थी, उससे यह साफ़ पता चल गया था कि वह इस मुक़ाबले को किस तरह से आगे बढ़ाना चाहती हैं। हालांकि इंग्लैंड की टीम ने भी लगातार दबाव बनाए रखा लेकिन मैच के आख़िरी पलो में वे भारतीय गेंदबाज़ी के सामने कारगर प्रहार करने में विफल रहीं।

भारतीय टीम की तरफ़ से पहले बल्लेबाज़ी में स्मृति और जेमिमाह ने बढ़िया बल्लेबाजी की और जब गेंदबाज़ी की बारी आई तो सभी स्पिनरों ने कमाल की गेंदबाज़ी की। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान नैटली सीवर ने सर्वाधिक 41 और ओपनर डैनी वायट ने 35 रन बनाये। भारत की तरफ स्नेह राणा के दो विकेटों के अलावा दीप्ति शर्मा ने 18 रन पर एक विकेट लिया।

सिंधु सेमीफाइनल में, आकर्षी बाहर

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को मलेशिया की गोह जिन वी को 2-1 से मात देकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनायी, जबकि आकर्षी कश्यप स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर से हारकर बाहर हो गयीं।

पुसरला वेंकट सिंधु ने गोह को तीन गेमों के मैच में 19-21, 21-14, 21-18 से मात दी। दोनों खिलाड़ी इससे पहले तीन बार आमने-सामने आ चुके थे और सिंधु ने तीनों बार जीत दर्ज की थी। बर्मिंघम 2022 के मिश्रित टीम फाइनल में भी दोनों ने एक दूसरे का सामना किया था, जहां सिंधु ने 22-20, 21-17 से सीधे गेमों में गोह को मात दी थी।

यहां हालांकि गोह ने अपनी भारतीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेहतर मुकाबला पेश किया। उन्होंने पहला गेम 21-19 से जीता और अगले दो गेमों में भी सिंधु को जीत हासिल करने के लिये बहुत मेहनत करनी पड़ी। सिंधु ने कोर्ट के हर कोने में शॉट खेले और अंतत: गोह तीसरे गेम में बेहद थकी हुई और हतोत्साहित नज़र आयीं। नतीजतन सिंधु ने अगले दो गेम 21-14, 21-18 से जीतते हुए लगातार तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में कदम रखा।

दूसरी ओर, सिंधु की हमवतन आकर्षी कश्यप को अपने क्वार्टरफाइनल मैच में स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर के हाथों 2-0 हार मिली। गिलमोर ने आकर्षी को 21-10, 21-7 के सीधे गेमों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी।

निखत, नीतू, पंघाल फाइनल में, जैस्मीन हारी

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन, अमित पंघल और नीतू घंघस ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को अपने-अपने वर्ग के मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी, जबकि जैस्मीन लंबोरिया को हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन निखत ने महिला 50 किग्रा लाइट फ्लाइवेट सेमीफाइनल में इंग्लैंड की सवानाह अल्फिया स्टब्ली को 5-0 से रौंदा। पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रही निखत ने क्वार्टरफाइनल में वेल्स की हेलेना जोन्स को भी 5-0 से मात दी थी। पंघल ने 51 किग्रा फ्लाइवेट सेमीफाइनल मैच में ज़ाम्बिया के पैट्रिक चिनयेंबा को सर्वसम्मत निर्णय से मात दी। पंघल लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचे हैं।

साबले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में जीता रजत

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत के अविनाश साबले ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में रजत पदक अपने नाम किया। साबले ने 8:11.20 मिनट के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ दौड़ को दूसरे स्थान पर पूरा किया, जबकि केन्या के अब्राहम किबिवोट 8:11.20 मिनट में दौड़ को पूरा करके पहले स्थान पर रहे। दौड़ के शुरुआती पलों में किबिवोट और उनके हमवतन आमोस सेरेम पहले एवं दूसरे स्थान पर चल रहे थे, लेकिन आखिरी क्षणों में साबले ने अपनी रफ्तार बढ़ाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, हालांकि वह 0.05 सेकंड से स्वर्ण पदक से चूक गये। सेरेम ने 8:16.83 मिनट के साथ कांस्य पदक से संतोष किया।

कोटपूतली में प्रशासन ने अवैध रूप से बनी 68 दुकानें व कई इमारतों को ध्वस्त किया।

कोटपूतली में प्रशासन ने अवैध निर्माण तोड़े

मास्टर प्लान के तहत हुई इस कार्यवाही के पहले चरण में 68 दुकानें व अन्य इमारतें तोड़ी गईं

- नगर परिषद प्रशासन ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ सुबह 5 बजे से संरचनाएं तोड़ने की कार्यवाही की शुरू।
- कार्यवाही का विरोध करने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता मुकेश गोयल सहित आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया।
- आधे शहर में बिजली पानी व इंटरनैट सेवायें ठप्प हुईं।

कोटपूतली, 6 अगस्त (निसं)। नगर परिषद प्रशासन ने कोटपूतली में मास्टर प्लान 2011 के अनुरूप कस्बे के मुख्य चौराहे से लेकर नगरपालिका तिराहा तक 80 फीट व पूर्व सिनेमा से लेकर पूतली कट तक 60 फीट सड़कों को चौड़ा करने की कार्रवाई की। इसके लिए प्रशासन सुबह करीब 5 बजे एलएनटी, जेसीबी व पोपलैण्ड मशीनों व भारी मात्रा में स्टाफ कर्मियों सहित पुलिस का अमला निर्माण हटाने के लिए पहुंचा।

शनिवार को एलबीएस कॉलेज के छात्रावास की ओर 22 दुकानों समेत पुरानी नगर पालिका तिराहे पर अग्रसेन सर्किल के पास शेखावत भवन, भरगड़ प्लाजा, कौशिक मार्केट, पुस्तक मार्केट में करीब 68 दुकानें हटाई गई। प्रशासन द्वारा गठित चारों टीमों ने एक साथ कार्यवाही कर सुबह करीब 10 बजे तक अधिकांश संरचनाओं को ध्वस्थ कर दिया था। इस दौरान कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों के व्यापारी सामान तक नहीं उठा पाये थे कि प्रशासन की अतिक्रमण ध्वस्त मशीनें इमारतों को जमीरोंध करती नज़र आईं। कार्यवाही के दौरान पहले फेज में कुल 68 इमारतों को ध्वस्थ किया गया।

इसी बीच महालक्ष्मी मिष्ठान भण्डार के पास अमृत कैलेक्शन शोरूम पर कार्रवाई चल रही थी, उसी दौरान परिषद का एक कर्मचारी अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। जैसे ही कर्मचारी के बेहोश होने की भनक प्रशासन को लगी तो अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में उक्त कर्मचारी को एम्बुलेंस की सहायता से राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान कार्यवाही यथावत जारी रही। देर रात तक प्रशासन की जेसीबी, हाईवा व ड्रिल मशीनें चलती रही। आनन-फानन में की गई कार्यवाही से जहां बिजली विभाग को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है, वहीं दिनभर लोग बिजली, पानी व इन्टरनेट सेवाओं को तरसते रहे। इधर प्रशासन की कथित दमनात्मक कार्यवाही का विरोध करने पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश गोयल, एडवोकेट बजरंग लाल शर्मा, एडवोकेट मनोज नारायण शर्मा, भाजपा नेता सुभाष घोघड़, भाजपा नेता प्रवीण बंसल व संघर्ष समिति के पंडित किशोरलाल नेताजी को हिरास्त में ले लिया गया। इस दौरान विरोध करने आये लोगों से प्रशासनिक अधिकारियों की तीखी नोंक-झोंख भी हुई।

लोगों का आरोप था कि प्रशासन राजनैतिक दबाव में आकर व्यापारियों के खिलाफ दमनात्मक कार्यवाही कर रहा है, जो कोटपूतली की जनता की भावनाओं पर कुठाराघात है। प्रशासनिक कार्यवाही को आमजन दो नजरिए से देख रहा है। एक तो विकास के आईने से और दूसरा विकास की जगह विनाश के आईने से। कार्यवाही के दौरान एडीएम जगदीश आर्य, एसडीएम ऋषभ मण्डल, मौका मजिस्ट्रेट तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा, एएसपी विद्या प्रकाश, यातायात एएसपी सुमित गुप्ता, डीएसपी डॉ. संध्या यादव, शाहपुरा डीएसपी सुरेन्द्र कृष्णियां, एसएचओ सवाई सिंह सहित पनियाला, सरूण्ड, प्रागपुरा, चंदवाजी, शाहपुरा, भाबरू समेत 8 थानों का पुलिस जाप्ता एवं एसटीएफ जवानों की पूरी कम्पनी को मिलाकर करीब 500 जवान सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहे। नगर परिषद आयुक्त फतेह सिंह मीणा के नेतृत्व में निर्माण हटाने की समस्त कार्यवाही की गई।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में शनिवार को करीब 68 निर्माण हटाये गये है। साथ ही स्टे वाले निर्माणों को फिलहाल छोड़ दिया गया है। अगली कार्यवाही द्वितीय चरण में स्वतंत्रता दिवस के बाद की जायेगी, जिसके लिए अलग से नोटिस भी जारी किये जायेगें। जबकि तृतीय चरण में नीलाम की गई सम्पत्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। एडीएम जगदीश आर्य ने आमजन व व्यापारियों को प्रशासन का सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया है।

गौरतलब है कि नगर परिषद द्वारा मुख्य चौराहे से अग्रसेन सर्किल व आसपास के सम्पत्ति मालिकों को शुक्रवार को ही 24 घण्टों में निर्माण हटाने के निर्देश दिये गये थे। आयुक्त फतेह सिंह मीणा ने यह भी बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देशानुसार ही समस्त कार्यवाही पूर्णतया: शांतिपूर्ण तरीके से की गई है, जिसमें स्थानीय व्यापारियों का भी प्रशासन को भरपूर सहयोग मिला है। व्यापारियों ने स्वयं ही अपनी दुकानों को पहले ही खाली कर लिया था। परिषद द्वारा दोनों मुख्य मार्गो को मास्टर प्लान के तहत क्रमश: 80 व 60 फिट चौड़ा किया जा रहा है। आपको बता दें कि विगत दिसम्बर 2021 में भी उक्त कवायद के चलते आम नोटिस व व्यक्तिगत नोटिस के माध्यम से दोनों मार्गो को चौड़ा करने की कार्यवाही शुरू की गई थी। इसके विरोध में एक ओर जहाँ धरना प्रदर्शन शुरू हो गया था। वहीं सम्पत्ति मालिकों ने उक्त कार्यवाही को विधि विरूद्ध बताते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में याचिकायें दायर की थी, जिस पर न्यायालय ने नगर परिषद को व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए 30 दिवस में विस्तृत एवं सकारण आदेश पारित करने व तब तक याचीगण के विरूद्ध कोई कार्यवाही ना करने के निर्देश दिये गये थे। साथ ही नगर परिषद को मौका एवं दस्तावेजों की जाँच कर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही करते हुए प्रभावितों की मुआवजा राशि तय करने के लिए भी निर्देशित किया गया था।

बीठनोक में 250 मेगावाट का लिग्नाइट पावर प्लांट लगाने पर केन्द्र व राज्य सहमत

राज्य की मुख्य सचिव ऊषा शर्मा और केन्द्र के कोयला मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एम. नागाराजू के बीच जयपुर में इन परियोजनाओं पर चर्चा हुई

- इसके अतिरिक्त बीठनोक में ही 300 मेगावाट का एक और प्लांट व बरसिंगसर में 250 मेगावाट का पावर प्लांट लगाने पर भी सरकार विचार कर रही है।

बीकानेर, 6 अगस्त (कासं)। बीकानेर जिले के बीठनोक गांव में 250 मेगावाट का लिग्नाइट पावर प्लांट लगाने पर केन्द्र और राज्य सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं।एनएलसी इंडिया लिमिटेड इस प्रोजेक्ट के लिए डीपीआर बनाने में जुट गया है। जल्द एमओयू और इंस्टालेशन की प्रक्रिया शुरू होने का अनुमान है।

राज्य और केन्द्र के उच्चाधिकारियों के बीच हुई मीटिंग में इस प्रोजेक्ट पर सैद्धांतिक सहमति के साथ ही बीठनोक में ही 300 मेगावाट के सोलर प्लांट और बीकानेर के बरसिंगसर में 250 मेगावाट के लिग्नाइट पावर प्लांट के एक्सटेंशन पर भी बातचीत हुई है। ऐसे में ये दोनों प्लांट भी मंजूर हो जाते हैं तो जिले में 800 मेगावाट बिजली उत्पादन का रास्ता खुलेगा।

राज्य की मुख्य सचिव ऊषा शर्मा और केन्द्र के कोयला मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एम. नागाराजू के बीच जयपुर में इन परियोजनाओं पर चर्चा हुई है। लगभग 12 वर्ष पूर्व हुई यह प्रक्रिया कई कारणों से आगे नहीं बढ़ पाई। मीटिंग के बाद चीफ सैक्रेट्री ने बीठनोक में 250 मेगावाट प्लांट के लिए नए सिरे से डीपीआर बनाने का निर्देश दिया है। नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन के प्रोजेक्ट हैड जगदीश मजूमदार ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हम नए सिरे से पूरी योजना बनाकर सरकार को दे रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी का कहना है कि बीठनोक में लिग्नाइट पावर प्लांट का एमओयू हो चुका था। बिजली की लागत लगभग पांच रुपए यूनिट आ रही थी।

पूर्ववर्ती सरकार ने रेट ज्यादा बताकर एमओयू तोड़ दिया। एक बार फिर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से यह प्लांट शुरू करवाने का आग्रह किया था। इस पर अब केन्द्र-राज्य दोनों मिलकर सकारात्मक तरीके से आगे बढ़े हैं। उम्मीद है जल्द उत्पादन शुरू होगा।

जगदीप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्रमश: ओम बिड़ला और जगदीप धनखड़। दिलचस्प बात ये है कि धनखड़ को कृष्णकांत, भैंरोसिंह शेखावत, हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू से भी अधिक वोट मिले, जो भी एक रिकॉर्ड है। ऐसा लोकसभा में भाजपा के भारी बहुमत के कारण हुआ।

आर.सी.पी. सिंह का नीतीश की पार्टी से इस्तीफा

नई दिल्ली, 6 अगस्त। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राइड हैंड माने जाने वाले जे.डी.यू. के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.सी.पी. सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर जे.डी.यू. ने आर.सी.पी. सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। आर.सी.पी. सिंह पर साल 2013 से 2022 के बीच अकूत संपत्ति बनाने का आरोप है। जे.डी.यू. ने आर.सी.पी. सिंह को जारी कारण बताओ नोटिस में कहा गया है कि 9 सालों में आपको परिवार के नाम पर 58 प्लॉट की रजिस्ट्री हुई है। इस तरह कुल 800 कट्ठा जमीन की खरीद हुई है।

भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने बर्मिंघम कॉमनवैल्थ गेम्स में महिला 53 कि. ग्रा. वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। कॉमनवैल्थ गेम्स में यह भारत का ग्यारहवां गोल्ड है।

नीतीश कुमार व के.सी.आर. ने प्र.मंत्री मोदी की बैठक में शामिल होने से इन्कार किया

- प्र.मंत्री मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक के संबंध में मु.मंत्री के.सी.आर ने कहा, भेदभाव के कारण बैठक से हमारे राज्य को कोई फायदा होने वाला नहीं है।
- नीति आयोग की 7 अगस्त को होने वाली बैठक में फसल विविधीकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने वाली है।

नई दिल्ली, 6 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 7 अगस्त को होने वाली नीति आयोग की बैठक से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद अब तेलंगाना के सी.एम. के चंद्रशेखर राव ने भी किनारा कर लिया है। बैठक में हिस्सा नहीं लेने के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री राव ने कहा कि उन्हें नीति आयोग की बैठक से कोई फायदा नहीं दिख रहा है। रविवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में फसल विविधीकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने वाली है।

के.चंद्रशेखर राव ने कहा, मैं विरोध के रूप में कल दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की 70वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक का हिस्सा नहीं बनूंगा। इसके साथ-साथ राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा है, जिसमें उन्होंने राज्यों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए उनकी जरूरतों और शर्तों के आधार पर योजनाओं को डिजाइन और उसमें बदलाव किए जाने की व्यवस्था नहीं दिए जाने को लेकर केंद्र के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की है।

के.सी.आर. ने पी.एम. मोदी के लिखे पत्र में कहा है, भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में तभी विकसित हो सकता है, जब राज्यें विकसित हों। उन्होंने कहा कि मजबूत और आर्थिक रूप से जीवंत राज्य ही भारत को एक मजबूत देश बना सकते हैं।

मैं भारत को एक मजबूत और विकसित देश बनाने के हमारे सामूहिक प्रयास में राज्यों के साथ भेदभाव करने और उन्हें समान भागीदार के रूप में नहीं मानने के केंद्र सरकार के वर्तमान रुख के खिलाफ इस बैठक से दूर रहूंगा।

धमोरा गांव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वॉलीबाल से जुड़ा हुआ है। कप्तान दुष्यंत के अलावा टीम में अमन कुमार, जोशनुर ढींडसा, संदीप, अजय कुमार, समीर चौधरी, तनिश चौधरी, हर्षित गिरी, जिबिन जॉश, सचिन डागरी, मन्नत चौधरी, कार्तिकेयन के (लिब्रो), अजीत शेखों, सूर्यप्रकाश बंजारा (लिब्रो) को जगह दी गई है।

टीम मैनेजर कुलदीप राज मगोत्रा, चीफ कोच जेई श्रीधरन, असिस्टेंट कोच राजेश कुमार, प्रवीन शर्मा, अंतराष्ट्रीय निर्णायक शेख एजाज सिकंदर होंगे।

झुंझुनूं जिले में जाखड़ों की ढाणी को वॉलीबाल खिलाड़ियों की खान कहा जाता है। जहाँ से कई अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी निकले हैं और 20 से 25 राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं।

शुरू से लेकर वर्तमान तक 50 के लगभग राज्य स्तर के खिलाड़ी भी इसी ढाणी के हैं। इनमें से अधिकांश तो सरकारी सेवाओं में कार्यरत हैं।

प्र.मंत्री व गृह मंत्री के स्पष्ट निर्देश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा फिलहाल वरूण गांधी की उग्र आलोचनाओं को मित्रवत लेने का भाव प्रकट कर रही है। अभी हाल ही में, उन्होंने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर लगाये जा रहे उन आरोपों को लेकर निशाना साधा था, जो सरकारी कर्मचारियों की भर्ती के अभियान के दौरान, प्रश्न पत्र लीक होने के बारे में लगाये जा रहे हैं।

सरकार द्वारा उम्रदराज लोगों को रेल किराये में दी जा रही छूट को समाप्त कर देने, पैकेज्ड खाद्य पदार्थो पर जी.एस.टी. लगाये जाने तथा सशस्त्र सेनाओं में भर्ती की नई स्कीम "अग्निपथ" शुरू करने के लिये भी वरूण गांधी ने केन्द्र सरकार की कड़ी आलोचना की थी।

सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पार्टी को विशेष निर्देश दिये गये हैं कि वरूण गांधी की अठखेलियों अनदेखी की जानी चाहिए तथा तब तक पार्टी को प्रतिक्रिया देनी चाहिए जब तक कि वे सीमा पार न कर जाएं।

लेकिन अगर वरूण गांधी को पार्टी की कीमत पर मीडिया में जगह मिलने दी जाती है तो यह पार्टी और सरकार दोनों में से किसी के हित में नहीं होगा।

जहाँ वरूण गांधी यह चाहते हैं कि पार्टी उन्हें निष्कासित करे तथा उसके बाद वे अपनी सीट को बरकरार रखें, वहीं भाजपा यह सोचकर सुरक्षित खेल खेल रही है क्योंकि वरूण के खिलाफ कोई कदम उठाये जाने से बहुत बड़ी बहस छिड़ जायेगी, क्योंकि वरूण गांधी की माँ मेनका गांधी 1990 के दशक में उस समय भाजपा में आई थीं, जब भगवा दल एल.के.अडवाणी तथा अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में गैर-आर.एस.एस. नेताओं को आमन्त्रित कर रहा था ताकि जनता में इसका प्रसार अपेक्षाकृत अधिक व्यापक स्तर पर हो सके। 65 वर्षीय मेनका गांधी जनता दल टिकट पर पीलीभीत से जीतकर विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार में राज्य मंत्री बन गई थीं। वे वाजपेयी सरकार तथा मोदी सरकार में भी 2014 से 2019 तक मन्त्री रही, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों में मिली जीत के बाद, वे उपेक्षित कर गईं। वे 2019 लोकसभा चुनाव सुल्तानपुर से जीती थीं।

जहाँ मेनका गांधी ने लोकसभा में अपेक्षाकृत कम मुखर रहना उचित समझा तथा वे चर्चा में यदाकदा ही भाग लेती थीं, वहीं वरूण गांधी लोकसभा में भाजपा तथा नेतृत्व पर तंज करने वाले तथा उन्हें असुविधाजनक लगने वाले प्रश्न पूछना पंसद करते हैं।

प्रियंका गोस्वामी ने कॉमनवैल्थ गेम्स में शनिवार को महिला 10 किमी. रेस वॉक (स्टीपलचेज़) में ऐतिहासिक सिल्वर मैडल हासिल किया। प्रियंका रेसवॉकिंग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। वे इस खेल में कॉमनवैल्थ मैडल जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी भी हैं। इससे पहले, हरमिंदर सिंह ने दिल्ली 2010 कॉमनवैल्थ गेम्स की 20 किमी. रेसवॉकिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। प्रियंका गोस्वामी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 10,000 मीटर की दूरी को 43:38 मिनटों में पूरा किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया की जेमीमा मॉनटाग ने 42:34. 00 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रियंका ने सीटी बजते ही ट्रैक पर बढ़त हासिल कर ली थी और 4,000 मीटर के बाद वो पहले स्थान पर थीं। इसके कुछ देर बाद ही वो जेमीमा और कीनिया की एमिली वामुस्यी एन्जी से पिछड़ गयीं। जब प्रतियोगिता में सिर्फ दो किमी की दूरी बची थी, तब प्रियंका ने शानदार वापसी करते हुए कीनिया की प्रतिद्वंदी को पछाड़ा और सिल्वर मैडल हासिल किया।

पूर्व मु.मंत्री पलानीस्वामी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निकालने के लिए पलानिस्वामी ने जिस चाल का इस्तेमाल किया वह यह कि दो नेताओं द्वारा पार्टी का संचालन करने से पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति रहती है और पार्टी के उद्देश्य और कार्यवाही में एकजुटता की कमी रहती है। पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी में चल रहे इस गुटीय संघर्ष के दो मतलब निकलते हैं- पहला तो इसने डी.एम.के. को अपना शासन अपेक्षाकृत सुचारू रूप से चलाना सुनिश्चित किया है और दूसरा, इससे विपक्ष की जगह भी खाली हो गई और भाजपा को इसे भरने का मौका मिल गया।

और तमिलनाडू में ऐसा ही कुछ धीमे-धीमे किन्तु सुनिश्चित रूप से हो रहा है। यानी भाजपा ने विपक्ष के इस रिक्त स्थान को भरना शुरू कर दिया है। उसने भारतीय पुलिस सेवा के कर्नाटक कैडर के एक पूर्व अधिकारी के. अन्नामलाई को तमिलनाडू में अपना प्रदेश अध्यक्ष बनाया है जो कि बहुत सजग और आक्रामक हैं। अन्नामलाई राज्य के एक मात्र ऐसे विपक्षी नेता हैं जो आम जनता के मुद्दे उठाकर सरकार की कलई खोलते हैं। सरकार और शासन पर उनके निरन्तर फोकस ने स्टालिन सरकार को एक तरह से बैकफुट पर ला दिया है।

केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी की स्थानीय ईकाई का प्रमुख होना, उन्हें स्थानीय राजनीति में कुछ हद तक संबल व तवज्जो प्रदान करता है, खासतौर पर जब बात छोटी पार्टियों से सौदेबाजी की हो। चूंकि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के साउथ प्लान में तमिलनाडू को महत्वपूर्ण माना गया है, इसलिए पार्टी को देखना है कि इस राज्य में राजनीति कैसे होती है, बावजूद इसके कि भाजपा यह जानती है कि उसने तो एक ऐसे राज्य में शुरूआत भर की है जहां उसे बाहरी माना जाता है और यहां उसे एक लम्बा रास्ता तय करना है।

एक बाहरी पार्टी की धारणा को समाप्त करना भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और उसे वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में डी.एम.के. का मुकाबला करने के लिए डी.एम.डी.के., पी.एम.के. व अन्य छोटी पार्टियों के साथ एक सशक्त गठबंधन बनाने की कार्ययोजना तैयार करनी है। पिछले आम चुनावों में डी.एम.के. राज्य की कुल 39 लोकसभा सीटों में से 38 पर जीत हासिल की थी और कांग्रेस के बाद दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बन गई थी।

केन्द्रीय सरकार व तमिलनाडू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे भयभीत हुए बिना, तमिलनाडु के तेज तर्रार वित्त मंत्री पी. त्यागराजन ने पलटवार करते हुये कहा कि राज्य के प्रतिनिधि ने बहुत सी वस्तुओं पर जी.एस.टी. लगाने का मौखिक एवं लिखित विरोध किया था तथा उन्होंने स्वयं ने राज्य की आपत्तियों को भी लिख कर दिया था। पी.टी.आर., जिस नाम से वे जाने जाते हैं, के पास उसी समय से जी.एस.टी. का पूरा ब्यौरा है, जब पिछले वर्ष डी.एम.के. जोर-शोर से सत्ता में आई थी। उनका कहना है कि जी.एस.टी. काउंसिल की रूपरेखा में ही खामियाँ हैं तथा इसकी निर्णय प्रक्रिया में राज्यों को अपने अलग मत व्यक्त करने की कोई गुजांइश ही नहीं बची है।

जी.एस.टी. काउंसिल की वर्तमान मतदान पद्धति, जिसमें केन्द्र के 33 प्रतिशत वोट हैं, केवल केन्द्र का ही पक्ष लेती है। उन्होंने कहा कि अगर परिषद का कोई सदस्य कोई प्रस्ताव लाता है तथा केन्द्र सरकार उस पर नकारात्मक रुख अपना लेती है, तो वह प्रस्ताव वहीं समाप्त हो जाता है। जब हम केन्द्र से अनुरोध करते हैं कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में जनता को राहत दो, तो जी.एस.टी.-व्यवस्था लागू होने के बाद, उस अनुरोध का यही हश्र होता है। राज्यों के पास टैक्स बढ़ाने का कोई रास्ता ही नहीं बचा है। ऐसा करने का अधिकार केवल केन्द्र के पास ही है। उन्होंने कहा कि आज केन्द्र जो एक्साइज वसूलता है, वह 2014 की अपेक्षा बहुत ज्यादा है। त्यागराजन ने एक ट्वीट में पूछा, "इसके अलावा, पेट्रोल एवं डीज़ल पर टैक्स कम किसको करना चाहिए? क्या यह काम केन्द्र सरकार को नहीं करना चाहिये, जिसने पिछले 7 वर्षों में ईंधन पर अनेक बार टैक्स बढ़ाया है? या यह काम डी.एम.के. को करना चाहिये, जिसने अब तक के इतिहास में एक बार भी ईंधन पर टैक्स नहीं बढ़ाया?

उनके पास इस बात का युक्तियुक्त कारण है कि केन्द्र प्राय: तमिलनाडु पर हमले क्यों करता है। उनके अनुसार, इसका कारण यह है कि आर्थिक मोर्चे पर तमिलनाडु का प्रदर्शन केन्द्र सरकार की अपेक्षा बेहतर है।

पी.टी.आर. ने कहा, "इस साल केन्द्रीय बजट में राजकोषीय घाटा 7 प्रतिशत है, हमारा करीब 3.5 प्रतिशत था। आज देश में महँगाई 8 प्रतिशत के आसपास है, हमारी 5 प्रतिशत के आसपास ही है। हमारी सरकार काम करने वाली सरकार है, हमारी सरकार करुणा तथा सामाजिक न्याय दर्शाती है, किन्तु उसकी बावजूद, बेहतर परिणाम देती है। और इससे दिल्ली में बैठी उपनिवेशवादी ताकतें चिढ़ती हैं। पी.टी.आर. ने अफसोस व्यक्त करते हुये कहा कि आज जब डी.एम.के. के उन्हीं सिद्धान्तों को अपना रही है, जो राज्यों के अधिकारों का समर्थन करने के लिये मोदी जी ने उस समय अपनाये थे, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो हमारे इस काम को सीधे टकराव के रूप में देखा जा रहा है।

रिलायंस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुरूमूर्ति ने जनवरी 2002 में दायर की थी। याचिका में शिकायत की गई थी कि 1994 में 12 करोड़ इक्विटी शेयरों के आवंटन में चालबाजी हुई थी। ये शेयर कथित रूप से आर.आई.एल. के प्रमोटरों, आर.आई.एल. द्वारा वित्त पोषित ग्रुपों एवं कम्पनियों को आवंटित कर दिये गये थे। मुख्य न्यायाधीश एन.वी.रमना, न्यायमूर्ति जे. के. महेश्वरी तथा हिमा कोहली की बैंच ने कहा कि सेबी को इस प्रकार की सूचना के कुछ हिस्सों को भी उजागर करने का कोई विशेषाधिकार नहीं है। बैंच ने कहा कि कानून ऐसे चयनित बिन्दुओं के प्रकटीकरण का कभी भी समर्थन नहीं कर सकता, क्योंकि ये साफ तौर पर "चैरी पिंकिंग" के बराबर हैं। बैंच ने सेबी को निर्देश दिये कि आर.आई.एल. को न्यायमूर्ति श्रीकृष्ण की पहली तथा दूसरी राय के साथ ही, चार्टर्ड अकाउन्टेंट वाई. एच. मालेगाम, जो सेवानिवृत जज के आदेश से नियुक्त किये गये थे, की पूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराये।

पानी निकासी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया है, ताकि नए सिरे से पाईप लाईन डालने का काम जल्द से जल्द करवाया जा सके। आयुक्त ने बताया कि गेनाणी के पास से गुजरने वाली हाईवे की सड़क के नीचे लीकेज हो गया, जिसको ठीक करने के लिए सड़क तोड़कर लीकेज निकालने का काम नगरपरिषद की टीमों द्वारा किया गया। आयुक्त ने बताया कि नया बास में ऐसे अनेक घर हैं, जिनके नीचे से पाईप लाईन गुजरती है। दरअसल 45 साल पहले जब ये पाईप लाईन गेनाणी से पानी निकासी के लिए डाली गई थी, तब इस क्षेत्र में कोई भी मकान नहीं थे। धीरे-धीरे लोग पाईप लाईन को भूल गए और बस्ती में अनेक मकान पाईप लाईन के ऊपर बन गए। नया बास स्थित घनश्याम स्वामी के घर में नींव से पानी की धार निकलने लगी और जब इस बात की शिकायत नगरपरिषद को की गई, तो पता चला कि मकान के नीचे गेनाणी से निकलने वाली पाईप लाईन है। सभापति प्रतिनिधि मोहम्मद ईदरीश गौरी, उप सभापति अमित मारोठिया ने बताया कि घरों के नीचे से पाईप लाईन के लीकेज निकालना संभव नहीं है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908